02 जून 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया आप दोनों में ही समाई है

4

देश में कोरोना के 3758 मामले 24 घंटे में 363 नए मरीज मिले

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखी जा रही है। रविवार सुबह 8 बजे तक देश में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 3758 हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में 363 नए मरीजों में कोरोना की पुष्टि हुई है, जबकि 1818 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

पिछले 24 घंटे में कोरोना से दो लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 साल के एक बुजुर्ग मरीज की मौत हुई, जो पहले से ही बीमार थे। वहीं, केरल में 24 साल की एक युवती की कोरोना संक्रमण से जान चली गई। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा मामले केरल में हैं, यहां 1400 केस दर्ज हुए हैं। महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं। इसके अलावा गुजरात में 320, पश्चिम बंगाल में 287 और कर्नाटक में 238 मरीजों का इलाज चल रहा है। तमिलनाडु में 199 और उत्तर प्रदेश में 149 कोरोना मरीज मिले हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इन नए वेरिएंट्स से संक्रमित लोगों में सामान्यतः बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और थकान जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। हालांकि, ये वेरिएंट प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि ये गंभीर या

दरिंदगी की शिकार बच्ची की इलाज के अभाव में तड़प-तड़पकर मौत

शर्मनाक

- दरिंदों ने नाबालिग के साथ रेप के बाद उसके पेट और सीने को चीर दिया था
- गंभीर अवस्था में इलाज के लिए पीएमसीएच पहुंची नाबालिग करीब नौ घंटे तक एंबुलेंस में तड़पती रही

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर से पटना आई 11 साल की रेप पीड़ित बच्ची की रविवार को पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्ची शनिवार को सुबह करीब 11 बजे पीएमसीएच में इलाज करने के लिए आई थी। 9 घंटे एंबुलेंस में इलाज नहीं मिलने पर तड़पती रही थी। कांग्रेस नेताओं के हंगामा करने के बाद रात करीब 8.30 बजे उसे पीएमसीएच में भर्ती किया गया और रविवार सुबह उसकी मौत हो गई।

मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र इलाके के एक गांव में 11 साल की बच्ची के साथ बलात्कार किया गया था। नाबालिग के साथ दरिंदगी के बाद उसके पेट और सीने को दरिंदों ने चीर दिया था। घायल स्थिति में बच्ची को मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया। बच्ची की स्थिति नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया। बच्ची के परिजना डॉक्टरों से इलाज की गुहार लगाते रहे लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की सूचना के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम पीएमसीएच पहुंचे और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ खूब नारेबाजी की। घंटों इलाज का इंतजार कर रही बच्ची को कांग्रेस नेताओं के हंगामे के बाद प्रभारी अधीक्षक के हस्तक्षेप से स्त्री एवं प्रसूति विभाग के आईसीयू में भर्ती कराया गया। तीन विभाग के डॉक्टरों ने बच्ची को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया।

कांग्रेस ने किया जोरदार प्रदर्शन, सीएम का पुतला फूंका

रेप पीड़ित बच्ची की लापरवाही से मौत को लेकर कांग्रेस ने रविवार को इनकम टैक्स चौराहे पर प्रदर्शन किया और कहा कि बलात्कार में नीतीश सरकार भागीदार है। प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ कई महिला कार्यकर्ता और भारी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। कांग्रेस के कार्यकताओं ने नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पूरे मामले पर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि सरकार पूरी तरह बलात्कार में भागीदार और सहभागिता निभा रही है, उस बच्ची की मौत के लिए जिम्मेदार जो लोग हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि अगर लड़की को न्याय नहीं मिला, तो उसकी अस्थि को लेकर पूरे बिहार में यात्रा करेंगे। कांग्रेस के कार्यकताओं ने जमकर प्रदर्शन करते हुए नीतीश कुमार और मंगल पांडे का पुतला पुतला दहन किया।

खबरें फटाफट

डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी कर दिया है। एक स्कूल और छात्रावास के प्रभारी ने एक छात्र की शिकायत पर छात्र को डांट दिया था। डांटने के बाद छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद आरोपी स्कूल प्रभारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि 'कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने से ऐसी त्रासदी हो सकती है। पूरे मामले पर विचार करने के बाद हमें लगता है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह कल्पना नहीं कर सकता था कि एक छात्र की शिकायत के आधार पर छात्र को डांटने पर ऐसी घटना हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश पलट दिया। उच्च न्यायालय ने स्कूल प्रभारी को बरी करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्र की शिकायत पर डांटना एक उपचारात्मक उपाय है, जिससे लगे की शिकायत पर ध्यान दिया गया। आरोपी के वकील ने कहा कि डांट एक अभिभावक के तौर पर थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मृतक दोबारा गलती न करे।

कोलकाता में आयेजित जनसभा में अमित शाह ने ममता बनर्जी पर बोला हमला

दीदी, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखें, जमानत जब्त हो जाएगी

- केंद्रीय गृह मंत्री बोले- हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं का पलायन रोकना है
- कहा- ममता दीदी ने महान बंग भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है

एजेंसी/कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने टीएमसी समेत विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि ममता अपने भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ रोकनी है, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं का पलायन रोकना है। अमित शाह ने कहा कि बंगाल का चुनाव केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करता है। यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। बंगाल में घुसपैठ टीएमसी नहीं, बल्कि कमल ही रोक सकता है। दीदी ने घुसपैठियों के लिए बॉर्डर की सीमाएं खोल दी है। अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम के रचयिता महान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की यह भूमि- जिस भूमि ने वर्षों तक भारत का मार्गदर्शन किया। ज्ञान हो, धर्म हो, स्वतंत्रता संग्राम हो- हर क्षेत्र में वर्षों तक बंगाल ने भारत का नेतृत्व किया, लेकिन उसी बंगाल में कई वर्षों तक कम्युनिस्टों का शासन रहा और उसके बाद मां, माटी, मानुष का नारा देकर ममता दीदी सत्ता में आईं।

शाह ने कहा कि ममता दीदी ने महान बंग भूमि को आज घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझाएं

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा शोभा नहीं देती। दीदी, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं-बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना। अमित शाह ने कहा कि वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। शाह ने कहा कि बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है।ये घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है।

लाख कहने के बाद भी ममता दीदी ने नहीं बुलाया बीएसएफ

शाह ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हाल ही में हिंसा हुई। गृह मंत्रालय बार-बार कहता रहा कि बीएसएफ को बुला लीजिए, लेकिन इन्होंने नहीं बुलाया। क्योंकि अगर बीएसएफ आती, तो हिंदुओं की रक्षा होती। फिर भाजपा कार्यकर्ता हाई कोर्ट गए, तब जाकर बीएसएफ आई और हिंदुओं को बचाया। शाह ने कहा कि विकास को बढ़ावा देने के अलावा, मोदी जी पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दशकों से पश्चिम बंगाल के लोग बंगाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने की वकालत कर रहे थे। हालांकि ममता जी ने केंद्र सरकार का समर्थन किया, लेकिन वह बंगाली को लंबे समय से प्रतीक्षित यह मान्यता दिलाने में असमर्थ रहीं। हालांकि, मोदी जी के नेतृत्व में, बंगाली भाषा को अंततः शास्त्रीय भाषा का प्रतिष्ठित दर्जा दिया गया। कहा- कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं। इनके घरों से (टीएमसी) का इतना पैसा पकड़ा जाता है कि गिनते-गिनते मशीनें थक जाती हैं। अब इस सिलसिले को बंद करना ही होगा।

शाह ने कहा कि बंगाल की इसी धरती पर चुनाव के दौरान और दीदी के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा खत्म हो गई होगी, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है।

चित्रकुट में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, छह घायल

एजेंसी/चित्रकुट

झांसी-मिजार्पुर हाईवे पर भखरवार मोड़ की बांधी के पास रविवार को सुबह करीब 11 साढ़े बजे डीसीएम और पिकअप की आमने-सामने भिडंत हो गई। इस हादसे में पिकअप सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर मानिकपुर विधायक और एसपी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद हाईवे पर लगभग एक घंटे जाम जैसी स्थिति रही।

मऊ थाना क्षेत्र के सखौंहा निवासी देवनाथ ने बताया कि चाचा संतराम रैदास (41), गांव के ही बच्चा (45), भइयन उर्फ रजवा (38), रैपुरा थाना क्षेत्र के पहाड़ी निवासी शांतिभान और दूधनाथ, बल्हौरा निवासी रामू साहू, कोनैन अली, हीरो अली, शिवरतन का डेरा निवासी दुर्गा के साथ बल्हौरा से मुस्लिम समुदाय की बरात में बैंड बजाने बांदा जिले के कालिंजर पिकअप से जा रहे थे। झांसी-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रैपुरा थाना क्षेत्र के भखरवार मोड के पास पिकअप कर्वी की ओर से आ रही डीसीएम से सामने में टकरा गई। इससे पिकअप सवार रामू साहू और दुर्गा की मौके पर ही मौत हो गई। पिकअप सवार अन्य लोग घायल हो गए। इसके अलावा डीसीएम चालक प्रतापगढ के कुंडा निवासी इमरान खान (35) व पहाड़ी निवासी सादिक अली (25) भी घायल हो गए। घटना की सूचना पर मानिकपुर मऊ विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, एसपी अरुण कुमार सिंह, सीओ जयकरण सिंह सहित रैपुरा, मऊ, बहिलपुरवा, राजापुर, पहाड़ी थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। दोनों वाहनों के अगले पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे।

जेसीबी से वाहनों को सड़क से हटवाकर रास्ता बहाल कराया। चार एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी रामनगर ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर संतराम, रजवा, इमरान, बच्चा को जिला अस्पताल और कोनैन अली को प्रयागराज रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में संतराम और बच्चा को मृत घोषित कर दिया गया।

सुखोई लड़ाकू विमान के टायर से चलेगा भगवान जगन्नाथ का रथ

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता इस्कॉन की फेमस भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के रथ के पहियों को 48 साल बाद बदला गया है। इस बार रथ में सुखोई लड़ाकू विमानों के टायर लगाए गए हैं। इनको एमआरएफ ने बनाया है। आधी सदी से ज्यादा वक्त से इस्तेमाल किए जा रहे ये पुराने टायर बोइंग बी-747 के थे। विमान के बंद हो जाने के बाद जंबो जेट टायरों का सोर्स तलाशना एक बहुत ही बड़ी चुनौती बन गया। इस्कॉन कोलकाता के वाइस प्रेसिडेंट राधारमण दास ने कहा कि 2005 में टायर बदलने की जरूरत महसूस की गई थी। इसके बाद रथ के लिए नए टायरों की तलाश में 20 साल लग गए। टायरों की व्यवस्था करने में सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उन्हें कितना वजन उठाना होगा। इसके बाद सुखोई के 4 फुट डायमीटर वाले टायर जंबो जेट टायरों से सबसे ज्यादा मेल खाते हुए मिले।

आत्म-प्रशंसा के बजाय दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करें और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करें पीएम: खड़गे

एजेंसी/बेंगलुरु

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक भाषणों पर टिप्पणी करते हुए उनसे आत्म-प्रशंसा के बजाय दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करने और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने का आग्रह किया। बेंगलुरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, मैं उनके (मोदी के) सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता। लेकिन मेरा उनसे बस इतना अनुरोध है कि सत्ता में बैठे लोगों को कभी-कभी अपना मुंह बंद रखना चाहिए।

खरगे ने प्रधानमंत्री के हालिया सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए सुझाव दिया कि मोदी को अस्थायी तौर पर चुनाव प्रचार से दूर हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्रमोदी को खुद को चुनावों से अलग कर लेना चाहिए और देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्हें देश में जो कुछ भी हुआ है, उसे समझकर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं बिना किसी राजनीतिक मतभेद के कह रहा हूं कि उन्हें यह दावा करने के बजाय कि उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता, दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारा पूरा समर्थन सशस्त्र बलों के साथ है। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विचार-विमर्श के लिए विदेश गए हैं।

12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले का समापन 24 जुलाई 2028 को होगा

सिंहस्थ कुंभ मेला... 2 अगस्त 2027 को होगा पहला अमृतस्नान

एजेंसी/नासिक

सिंहस्थ कुंभ मेला पर्व अगले वर्ष 31 अक्तूबर को नासिक के त्र्यंबकेश्वर के साथ-साथ रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा और 24 जुलाई, 2028 तक चलेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को 13 प्रमुख अखाड़ों के महंतों और पुरोहित संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद मेले की तारीखों का एलान किया।

तय कार्यक्रम के मुताबिक, सिंहस्थ की शुरूआत के बाद 29 जुलाई 2027 को नासिक में नगर प्रदक्षिणा होगी। पहला अमृत स्नान दो अगस्त 2027 को होगा, जबकि दूसरा अमृत स्नान 31 अगस्त को होगा और तीसरा और अंतिम स्नान 11 सितंबर को नासिक में और 12 सितंबर को त्र्यंबकेश्वर में होगा। 24 जुलाई 2028 को ध्वज को उतार दिया जाएगा। इसी के साथ 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले का समापन हो जाएगा। इस मौके पर फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में शामिल लोगों को आयोजन के लिए प्रदेश सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों का ब्योरा दिया गया। उन्होंने कहा, 4,000 करोड़ रुपये की लागत वाले कार्यों के लिए निविदाएं जारी की गई हैं। 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाले अन्य कार्यों के लिए भी जल्द ही निविदाएं जारी की जाएंगी। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), गोदावरी नदी की सफाई और साधुग्राम के लिए भूमि अधिग्रहण का काम भी प्रगति पर है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने इस दौरान यह साफ नहीं किया कि 2026-27 में सिंहस्थ कुंभ मेले की मेजबानी करने वाले नासिक जिले का संरक्षक मंत्री कौन होगा। उन्होंने यह संकेत दिया कि इस पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे महायुति के तीन सहयोगियों के बीच मतभेद अभी भी अनसुलझे हैं। उन्होंने कहा कि कुंभ मंत्री गिरीश महाजन मंत्रियों दादा भुसे, छगन भुजबल और नरहरि जिरवाल के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

रेप पीड़िता के परिजनों के साथ न्याय करें सराकार, दोषियों को दे सजा

- इलाज के अभाव में रेप पीड़िता की मौत के खिलाफ फूंका सीएम व स्वास्थ्य मंत्री का पुतला
- मुजफ्फरपुर में मासूम से रेप के बाद दरिंदों ने गला रेत की हत्या

केटी न्यूज/बक्सर

मुजफ फरपुर के कुढ़नी की नौ वर्षीय मासूम से दरिंदगी के बाद दरिंदों ने साक्ष्य मिटाने के लिए उसकी हत्या की नियत से गला रेत दिया था, लेकिन पटना के किसी भी अस्पताल में उसे समय से इलाज नहीं मिला। पीएमसीएच में उसे बेड के लिए पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई। यह कहना है कि बक्सर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय का।

रविवार को उनकी अध्यक्षता में इस घटना के खिलाफ कांग्रेसजनों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व स्वास्थ्य मंत्री का पुतला दहन किया।

डॉ पांडेय ने कहा कि बच्ची के इलाज के लिए एसकेएमसीएच और पटना एम्स में विशेषज्ञ डॉ की अनुपलब्धता थी, जिसके बाद पीएमसीएच में भर्ती के लिए पांच घंटे विलंब हुआ। उक्त दलित बच्ची की इलाज के क्रम में आज सुबह मृत्यु हो गई।

उन्होंने कहा कि यह घटना बिहार की कानून और स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल रही है। डॉ पांडे ने बिहार के मुख्यमंत्री से मांग किया कि पीड़ित परिवार के साथ न्याय किया जाए एवं पीड़ित परिवार के आश्रित को सरकारी नौकरी और मुआवजे के तौर पर एक करोड़ रूपया दिया जाए।

वहीं, कांग्रेसजनों ने स्वास्थ्य मंत्री को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की और कहा कि पूरे बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर हो गई है। कांग्रेस ने इस दौरान बक्सर की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू एवं साफ सुथरा ढंग से चलाने को कहा। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि बक्सर की स्वास्थ्य व्यवस्था तार तार हो चुकी है।

वहीं, कांग्रेसियों ने कहा कि बिहार में प्रतिदिन हत्या, लूट जैसी बड़ी अपराधिक घटनाएं हो रही है। सरकार अपराध पर लगाम लगाने के बजाय सुशासन का ढोल पीट रही है।

वहीं, अपने संबोधन में प्रदेश प्रतिनिधि डॉ प्रमोद ओझा ने कहा कि बिहार में कानून एवं व्यवस्था अंग्रेजी शासन को भी पार कर चुका है आने वाले दिन में जनता इस बिहार सरकार को सबक सिखाने की मन बना चुकी है।

मौके पर भोला ओझा, जयराम राम, महिला विंग की अध्यक्ष निर्मला देवी, त्रिलोकी नाथ मिश्र, संजय कुमार पांडेय, संजय कुमार दुबे, त्रियोगी नारायण मिश्र, रूनी देवी, कुमकुम देवी, अजय यादव, बबन तुरहा, अकबरी खातून, महेंद्र चौबे, सोनू ओझा समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

नैनीजोर गोलीबारी मामले में दूसरे दिन भी दर्ज हुआ एफआईआर

ब्रह्मपुर। जिले के डुमरांव अनुमंडल स्थित नैनीजोर थाना क्षेत्र के स्थानीय दक्षिणी पंचायत के वार्ड नौ स्थित यादव टोला निवासी 65 वर्षीय चतुर यादव व उनकी दो वर्षीय पोती को गोली मार जख्मी किए जाने के मामले में पीड़ित पक्ष ने दूसरे दिन परिजनों ने एफआईआर दर्ज कराया है। वैसे पुलिस अपने स्तर से इस मामले की जांच कर रही है। इधर, घटना के बाद जख्मी चतुर यादव व उनकी पोती का इलाज आरा के सदर अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के बाद उनके परिजनों के अलावे ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई लोग गांव से बाहर सोते है, ऐसे में किसी के साथ भी ऐसी घटना हो सकती है। गौरतलब हो कि शुक्रवार की मध्य रात्रि अज्ञात अपराधियों ने दरवाजे पर सो रहे दादा व पोती को गोली मार जख्मी कर दिया था। घटना के तुरंत बाद दोनों को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए परिजन आरा ले गए है, परिजन किसी के ऊपर ब्यान देने से डर रहे हैं। जहां समाचार लिखे जाने तक उनका इलाज जारी है।

नैनीजोर थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने बताया कि पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन दिए गए आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जिसके आधार पर पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

चौसा थर्मल पावर प्लांट के समीप राजद नेता हत्याकांड का हुआ खुलासा

तीन लाख की सुपारी में हुई थी अर्जुन की हत्या, नाबालिग समेत दो शूटर धराएं

- 26 मई को अपराधियों ने मारी थी गोली, इलाज के दौरान हुई थी मौत
- पुलिस ने घटना में शामिल तीन में से दो शूटरों को पकड़ा

शूटरों के पास से देशी कट्टा व मोबाइल बरामद

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी शुभम आर्य ने सदर एसडीपीओ धीरज कुमार के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) गठित थी। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके पास से देशी कट्टा, मोबाईल फोन व घटना में प्रयुक्त कपड़े भी बरामद किए थे। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की साजिश में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। अब अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

केटी न्यूज/बक्सर

राजद मजदूर प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अर्जुन यादव की हत्या तीन लाख की सुपारी देकर करवाई गई थी। इसका खुलासा पकड़े गए शूटरों ने पुलिस के समक्ष किया। इस मामले में रविवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि अर्जुन यादव हत्याकांड के उद्भेदन के लिए गठित एसआईटी ने घटना के एक सप्ताह के अंदर ही इस हत्याकांड में शामिल एक नाबालिग समेत दो शूटरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार शूटर इटाढ़ी थाना क्षेत्र के साथ गांव निवासी तुफानी कुमार गुप्ता पिता छोटेलाल गुप्ता के पास से एक देशी कट्टा, दो मोबाईल फोन व घटना को अंजाम देने के दौरान पहना गया कपड़ा भी बरामद किया गया है। जबकि एक अन्य शूटर के अलावे सुपारी देने वाले व साजिश करने वाले सफेदपोश फरार चल रहे है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

एसपी ने बताया कि शूटरों को सीसीटीवी फूटेज, तकनीकी साक्ष्यों, वैज्ञानिक आधार तथा मुखबीरो से मिली सूचना के आधार पर पकड़ा गया हैं। पकड़े गए अपराधियों ने अपना अपराध कबूल लिया है तथा बताया कि उसे गोली मारने में उनके साथ एक तीसरा शूटर भी था, जिसे बहुत जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

26 मई को हुई थी राजद नेता की हत्याः एसपी ने बताया कि 26 मई की सुबह करीब 11 बजे चौसा पावर प्लांट के गेट के पास अखौरीपुर गोला निवासी स्व. सुरेंद्र यादव के पुत्र और राजद नेता अर्जुन यादव को अपराधियों ने गोली मार जाख्मी कर दिया था, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल अर्जुन यादव को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के भाई के बयान पर कुल आठ नामजद व कुछ अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज करवाया गया था।

वहीं, घटना के बाद अर्जुन के समर्थकों ने शव आने पर जमकर बवाल मचाया था तथा सड़क जाम कर रोष प्रकट किया था। हालांकि, बाद में पुलिस के समझाने के बाद सड़क जाम हटाया गया था।

सफेदपोशों की बढ़ सकती है मुश्किलेंः इस घटना के उद्भेदन व शूटरों के पकड़े जाने के बाद पुलिस के समक्ष अब वे चेहरे भी बेनकाब हो गए है, जो समाज में सफेदपोश बनकर घुम रहे थे। पुलिस सूत्रों की मानें तो इस हत्याकांड को अंजाम दिलाने में शूटर हॉयर करने वाले व उन्हें पैसा देने वाले सफेदपोश टाइप लोग ही है, जिन्हें जल्दी बेनकाब किया जाएगा। हालांकि, एसपी ने अभी उनके नामों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पुलिस की निगाहों में वे बेनकाब हो चुके है तथा बहुत जल्द उनकी भी गिरफ्तारी हो जाएगी।

शूटरों की स्वीकारोक्ति से पुलिस भी हैरानः अर्जुन यादव जैसे एक होनहार युवा की जान की कीमत मात्र तीन लाख रूपए आंकी गई थी। शूटरों को इस चर्चित चेहरे की हत्या के लिए मात्र तीन लाख रूपए मिले थे, इसे जान पुलिस भी हैरान हो गई। पुलिस की मानें तो अर्जुन यादव ने कम उम्र में ही पॉवर प्लांट की ठेकेदारी में वर्चस्व कायम कर लिया था तथा वह नाम के साथ ही मोटा पैसा भी कमाया।

फरार लोग जल्द होंगे गिरफ्तार

“ राजद नेता अर्जुन यादव हत्याकांड का खुलासा कर दिया गया है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल एक नाबालिग समेत दो शूटरों को पकड़ा है। उनका तीसरा साथी व साजिशकर्ता फरार चल रहे है। जल्दी उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

– शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

डुमरांव नगर परिषद के रैन बसेरा में हुई वृद्ध की मौत, छानबीन में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद कार्यालय के समीप स्थित रैन बसेरा में एक वृद्ध की अचानक मौत हो गई। घटना रविवार सुबह की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले उसकी पहचान करवाई। पहचान पूरी होने के बाद स्वजनों को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंचे तथा शव की शिनाख्त की। उसकी पहचान डुमरांव से सटे बन्हेजी डेरा गांव निवासी 71 वर्षीय भृगुनाथ चौधरी के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा उसे स्वजनों को सौंप दिया। वहीं, दो दिन पहले उक्त व्यक्ति शहर में भटक रहा था, वह अपना नाम पता भी नहीं बता पा रहा था। लोगों से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने उसे रैन बसेरा में रखवाया था, जहां रविवार की सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी तथा पलक झपकते ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही संचालक ने डुमरांव थाना को इसकी सूचना दी गई।

प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि रैन बसेरा में मिले की पहचान नहीं हो पाने पर उसकी तस्वीर को साइबर सेनानी ग्रुप व सोसल मीडिया पर अपलोड किया गया, जिसके बाद उसकी शिनाख्त बन्हेजी डेरा के भृगुनाथ चौधरी के रूप में हुई। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है।

तालाब में डूबे लाखनडिहरा के चौकीदार की हुई मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव निवासी व स्थानीय पंचायत के चौकीदार नंदजी यादव (55 वर्ष) पिता स्व. सीताराम यादव की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार की सुबह करीब नौ बजे की है। हालांकि, करीब आधा घंटे के अंदर ही ग्रामीण गोताखोरों ने उसे पानी से निकाल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी मिलते ही डुमरांव पुलिस में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा भारी मन से शव को कब्जे में पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया। वहीं, बाद में प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों व जवानों ने उचित सम्मान देते हुए अपने चहेते चौकीदार को अंतिम विदाई दी। शवयात्रा में डुमरांव थाना के सभी पुलिस पदाधिकारी व जवान मौजूद थे। इस दौरान उनके शव पर पुलिस पदाधिकारियों व जवानों ने पुष्पहार चढ़ा, उन्हें अंतिम विदाई दी। प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत ने बताया कि नंदजी काफी सक्रिय चौकीदार थे तथा अपने क्षेत्र में होने वाली हर छोटी घटना की जानकारी भी समय से पुलिस को दे उसे रोकने में मदद करते थे। प्रभारी थानाध्यक्ष ने कहा कि वे अपने काम के प्रति जिम्मेवार व ईमानदार के साथ ही व्यवहार कुशल होने नियंत्रणों पुलिस को बड़ी मदद मिलती थी। उन्होंने कहा कि हम सभी को लंबे समय तक उनकी कमी खलेगी। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों की आंखे नम हो गई थी। मिली जानकारी के अनुसार एक दिन पहले उनके भतीजे हरेन्द्र यादव की पत्नी का निधन हो गया था।

एक नजर

डुमरांव नप अंतर्गत शहरी और विस्तारित क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का फैसला बोर्ड में पास

डुमरांव। नगर परिषद के सधारण बोर्ड की बैठक बिते शनिवार को हुई थी, जिसमें डुमरांव शहर और विस्तारित क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों के द्वारा किये गए सरकारी जमीन पर कब्जा को जमकर बहस हुई थी। इस बहस में चेयरमैन सुनीता गुप्ता को यह बताना पड़ा की अतिक्रमण से शहर और विस्तारित क्षेत्र को शीघ्र मुक्ति दिलाई जाएगी। इसको लेकर रविवार को बाजार में पूरे दिन इसी पर चर्चा का बाजार गर्म रहा। मालूम हो कि रेलवे स्टेशन से विष्णु मंदिर तक और पश्चिमी रेलवे गुमटी से ट्रेनिंग स्कूल तक अतिक्रमणकारियों का सम्राज्य कायम है, जिससे आम जनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शनिवार को हुई बोर्ड की बैठक में इस पर विस्तारित क्षेत्र और डुमरांव शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षदों ने शहर को अतिक्रमण से मुक्त करने को लेकर जमकर बहस किया। बहस के दौरान सभी पार्षद इस बात को लेकर एकजुट थे। सबकी यह मांग थी कि इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। लोगों को यह कहना था कि अतिक्रमण से प्रतिदिन जाम की समस्या से भी लोग परेशान रहते हैं। सबसे अधिक जाम की समस्या नया थाना से लेकर शीला सिनेमा तक होती है। वहीं गोला रोड में तो सड़क पर ही दुकान लगाया जाता है, जिससे वाहनों के आने-जाने का रास्ता ही नहीं बचता है। यही वजह है कि लोग सीधे नहीं निकल राजगढ़ चौक जाने के लिये रास्ता बदल कर निकलते हैं। दुकान के आगे दुकान लगाकर दुकानदारों के द्वारा फुटपाथ को कब्जा कर लिया जाता है और बदनाम होते हैं फुटपाथी। वैसे लोगों पर इसबार नप नकेल कशने की तैयारी कर चुका है। इधर फुटपाथी संघ के जिलाध्यक्ष मिंटू हाशमी का कहना है कि नगर परिषद को चाहिए की फुटपाथी दुकानदारों को कमाने खाने के लिये स्थल का चयन कर वहां दुकान लगाने की व्यवस्था कर फिर उन्हें हटान की कार्रवाई करे। इनका यह भी कहना है कि स्थायी दुकानदारों ने भी समानों को फुटपाथ पर रख रोड को जाम कर दिया है, पहले इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

जातिसूचक शब्द का प्रयोग कर मारपीट व रंगदारी का आरोप, नामजद प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के खरवनियां गांव निवासी त्रिलोकी राम ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट और रंगदारी से पैसा छीनने के आरोप में एक युवक पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिकी में त्रिलोकी राम ने आरोप लगाया है कि दिनांक 15 मई को भटौली गांव निवासी प्रशांत कुमार ने उनके जेब से 500 रुपए निकाल लिए थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो प्रशांत ने उनके साथ जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए मारपीट की। पीड़ित ने आगे बताया कि रविवार को प्रशांत कुमार ने पुनः रंगदारी दिखाते हुए पैसा मांगना शुरू किया और विरोध करने पर फिर से उनके साथ मारपीट की गई। इधर पुलिस ने अनुसंधान प्रारंभ करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। नामजद आरोपी प्रशांत कुमार की गिरफ्तारी भी कर ली गई है। साथ ही, उससे पूछताछ जारी है।

शराब पीकर कर हंगामा करते छह गिरफ्तार

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर एवं सोनवर्षा गांव से पुलिस ने शराब पीकर हंगामा कर रहे छह शराबी को गिरफ्तार किया है। जिसे कोर्ट भेज दिया है। गिरफ्तार किए गए शराबी में कड़सर गांव के निवासी अवधेश रवानी, रमेश पासी और लालबाबू राम, सोनवर्षा गांव के ओमप्रकाश और ओम कुमार, तथा बिहिया थाना अंतर्गत कटेया गांव के विजय यादव शामिल हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि अलग-अलग गांवों से ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई कि कुछ लोग शराब के नशे में हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी छह आरोपियों को मौके से हिरासत में ले लिया गया। साथ ही सभी का मेडिकल परीक्षण कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में अल्कोहल सेवन की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कोर्ट भेज दिया।

बक्सर नप क्षेत्र की सफाई व्यवस्था चरमराई

बक्सर। स्थानीय नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। नगर के लगभग मुख्य सड़कों पर ही सफाई की व्यवस्था दिख रही है। वहीं नगर के वार्डों में सफाई व्यवस्था नहीं पहुंच पा रही है। जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नगर के बाजार समिति रोड में मुख्य सड़क के किनारे नगर परिषद ने पिकअप सेंटर बना दिया है। जहां कचरे का निस्तारण किया जा रहा है लेकिन वहां से उठाव नहीं किया जा रहा है। इस कारण वहां आने जाने वाले लोगों को कचरे से निकल रही बदबू से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कचरे के एक भाग में आग लगा दिया गया है। इससे निकलने वाली जहरीली धुंआ आस-पास की आबोहवा खराब कर रही है। वहां से गुजरने वाले लोगों को बदबू के साथ धुंआ जैसी समस्या से भी जूझना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि विद्यालय के गेट के पास निस्तारण केंद्र बनाने से पूर्व कचरे का निस्तारण बाजार समिति रोड में ही विद्यालय परिसर के कॉर्नर पर किया जाता था। फिलहाल इस जगह में परिवर्तन किया गया है।

नन्हें वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए चलाया जाता है इंस्पायर ऑवार्ड

इंस्पायर अवार्ड मानक में 15 जून से नए विचार ऑनलाइन पोर्टल पर होंगे अपलोड

- प्रथम स्थान लाने वाले विजेता को मिलता है 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के विद्यालयों के वर्ग 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के नए विचार, इन्नोवेटिव आईडियाज, नई सोच, नई जागृति जो विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अन्य क्षेत्र में हो सकती है, उसके लिए इंस्पायर अवार्ड मानक के अधीन विद्यालयों में विचार जमा होंगे और सर्वश्रेष्ठ विचार एक विद्यालय, एक यू डाइस कोड को ऑनलाइन पोर्टल पर 15 जून 2025 से अपलोड करने की गतिविधि को संचालित होगी।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मो. शारिक अशरफ ने इसके लिए सभी प्रधानाध्यापकों को पत्र जारी कर निर्देश दिया है कि वे इंस्पायर आर्वाड के लिए छात्रों से आइडियाज लेकर उसे विभाग के पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन इंस्पायर अवार्ड मानक को लेकर काफी गंभीर है। प्रशासन विद्यार्थियों के सर्वश्रेष्ठ विचार को उचित स्थान देने के लिए शिक्षा विभाग को समय-समय पर निर्देश जारी कर रहा हैं। उन्होंने बताया कि प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अपने प्रखंड में देख रेख करेंगे। विदित हो कि इंस्पायर अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ विचार को 10 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। डीपीओ ने बताया कि पिछले सत्र में 69 विद्यार्थियों के बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि भेजी गई थी। विभाग ने दो हजार से अधिक इन्नोवेटिव आईडियाज अपलोड करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है।

वहीं, शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने बताया कि शिक्षा विभाग वर्ग 11 और 12 पहली बार अपने इन्नोवेटिव आईडियाज को विद्यालय में ऑफलाइन जमा करेंगे, विद्यालय प्रशासन वर्ग 6 से 12 के विद्यार्थियों के सर्वश्रेष्ठ विचार को ऑनलाइन अपलोड करेगा। योजना के प्रचार प्रसार में संभाग प्रभारी सुरेंद्र प्रसाद, शिक्षक धनंजय मिश्र, सुरेंद्र कुमार सिंह, अनीता यादव, प्रमोद कुमार चौबे, विकास कुमार, शिल्पम, ब्रजेश राय, विजयलक्ष्मी पटेल, नफीस नाज, मनीष कुमार शशि, अनुज कुमार गोंड, ऋतु राज, सत्य प्रकाश शर्मा व अन्य सक्रिय भूमिका निभा रहे है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

केसठ प्रखंड में बदला शिक्षा का मंजर, स्कूलों में बालिकाओं की बढ़ती संख्या बनी मिसाल

पीके बादल/केसठ

प्रखंड में शिक्षा का परिदृश्य एक नई करवट लेता नजर आ रहा है। वर्षों तक जहां बालिकाएं शिक्षा के मामले में पिछड़ी मानी जाती थीं, वहीं अब वही बेटियां स्कूलों में आगे बढ़ रही हैं।

विभागीय आंकड़ों और स्थानीय विद्यालयों की रिपोर्ट यह दर्शा रही हैं कि अब रोजाना स्कूल जाने वाली छात्राओं की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। गांव-गांव में लड़कियां नियमित रूप से विद्यालय जा रही हैं, किताब व कॉपी हाथ में लिए आत्मविश्वास से भरी यह तस्वीर अब आम होती जा रही है।

- शिक्षा विभाग के अनुसार लड़कों में स्कूल जाने की रुचि घटी
- राज्य सरकारी योजनाओं के कारण प्रखंड की छात्राओं ने पकड़ी विद्यालयों की डगर

शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियां आगे: स्थानीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के अनुसार, कक्षा 6 से 10 तक की कक्षाओं में लड़कियों की उपस्थिति लड़कों की तुलना में अधिक हो गई है। कई विद्यालयों में तो लड़कियां शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह बदलाव 'बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ' अभियान, साइकिल योजना, पोशाक और छात्रवृत्ति योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का भी परिणाम माना जा रहा है।

लड़कों में गिरती रुचि, कारणों पर मंथन जरूरी: वहीं दूसरी ओर चिंता का विषय यह है कि लड़कों में विद्यालय जाने की इच्छा कमजोर पड़ती दिख रही है। कुछ किशोर खेतों, दुकानों या काम-धंधे में लग गए हैं, तो कुछ मोबाइल और इंटरनेट की लत में फंसकर शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।अध्यापकों का मानना है कि लड़कों में अनुशासन और पढ़ाई के प्रति गंभीरता पहले जैसी नहीं रही। माता-पिता की उदासीनता, शिक्षा के महत्व की कमी और तात्कालिक कमाई की चाह उन्हें स्कूल से दूर कर रही है।

ग्रामीण जागरूकता और सरकारी योजनाओं की सफलता: गांवों में बढ़ती महिला शिक्षा सामाजिक सोच में बदलाव का संकेत है। अब ग्रामीण परिवार बेटियों की पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि भविष्य का निवेश मानने लगे हैं। साथ ही, बालिकाओं की सुरक्षा, विद्यालय में महिला शिक्षकों की तैनाती और अलग शौचालय जैसी सुविधाओं ने भी बालिकाओं के स्कूल आने में बड़ी भूमिका निभाई है।प्रखंड में लड़कियों का शिक्षा की ओर बढ़ता रुझान पूरे प्रखंड के लिए प्रेरणा है। लेकिन इसके साथ ही लड़कों में घटती पढ़ाई की रुचि एक चुनौती है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।समाज और प्रशासन दोनों मिलकर लड़कों के प्रति भी सकारात्मक माहौल बनाएं, तो यह क्षेत्र शिक्षा में नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

प्रतियोगिता परीक्षाओं में बेटियों का दबदबा: अब सिर्फ स्कूलों तक ही सीमित नहीं, बेटियों ने सिपाही, दरोगा, शिक्षक, क्लर्क और यहां तक कि प्रशासनिक अधिकारी जैसे पदों पर भी अपनी काबिलियत का परचम लहराया है।

बेटियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में पाई सफलता: केसठ प्रखंड की कई बेटियों ने हाल ही में बिहार पुलिस, बीपीएससी और अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता पाई है। यह न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। बेटियों की यह सफलता समाज की सोच में आए व्यापक बदलाव का परिचायक है।

एक सप्ताह से बनी है समस्या, नगर परिषद की बेफिक्री से स्थानीय लोगों में गहराया आक्रोश

जतकुटवा बस्ती के पास जलापूर्ति का पाइप फटने से सड़क पर हुआ जलजमाव

- जलजमाव के कारण राहगीरों व स्थानीय लोगों का पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

स्टेशन रोड जतकुटवा बस्ती के पास जलजमाव की स्थिति विगत एक सप्ताह से जारी है। धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ते हुए जतकुटवा बस्ती के घरों प्रवेश करने लगा है। इतना ही नहीं कमल नगर मोहल्ले की नाली पूरी तरह से भर गलियों में फैलने लगा है। ऐसे में स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों और महिलाओं परेशानी ज्यादा बढ़ गई है। इस परेशानी को दूर करने के लिये नही पीएचईडी विभाग ही आगे आया और नहीं नप ही। इसको लेकर आम लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, ऐसे में रोड जाम करने की योजना लोग बना रहे हैं।

पुलिया के निर्माण के समय ही जलापूर्ति का पाइप फटा था: विदित हो कि महराजा पेट्रोल पंप के पास जहां पर रोड के पश्चिम की तरफ नाली के पानी निकलने के लिये अंडरग्राउंड पुलिया का निर्माण किया गया है। पुलिया के निर्माण के समय ही जलापूर्ति का पाइप फट गया था। पुलिया तो बनकर तैयार होकर चालू भी हो गया, लेकिन जो पानी आपूर्ति का पाइप टूट गया था, उसे नहीं ठीक किया जा सका है। ऐसे में जब जलापूर्ति शुरू होती है जलजमाव होना शुरू हो जाता है, जो

पूरे दिन रहता है। यह सिलसिला लगभग दस दिनों से चला आ रहा है। अब इसका दायरा धीरे-धीरे बढ़ते हुए करीब पचास मीटर के दायरे में पूरी सड़क को समेट लिया है। जिस कारण स्थानीय निवासियों के अलावे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। आलम यह है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

इससे प्रभावित संटू मित्रा, सोनू वर्मा, बब्लू पांडेय, सुरेन्द्र पाल सहित अन्य का कहना है कि जलजमाव के कारण स्थिति नारकीय बन गई है, जबकि नगर परिषद प्रशासन फटे पाइप के मरम्मत के प्रति उदासीन बना हुआ है।

लोगों का कहना है कि यदि फटे पाइप का मरम्मत करा दिया जाएगा तो जलजमाव से मुक्ति मिल जाएगी, लेकिन नगर परिषद की उदासीनता के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। जिस कारण इस पथ पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है।

मालूम हो कि यह स्थान स्टेशन से महज 200 मीटर की दूरी पर है, बावजूद प्रशासन की तरफ से कोई पहल नहीं होना, लोगों के समझ से बाहर हो गया है। रोड पर पानी जमा होने से वाहनों के आने और जाने से रोड में गड्ढा बनते जा रहा है, जिससे वाहनों को कुछ पता नहीं चलता और उसमें आकर फंस जाते हैं। अब तो शील कुटवा बस्ती में भी पानी प्रवेश करने लगा है, जिससे बस्ती के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इनके द्वारा पत्थर से बनाए गए घरेलू समानों को रोड पर रख बेचने लगे हैं। इससे दुर्घटना होने का भय बना रहता है।

इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की इसकी जानकारी मुझे नहीं है। इस तरह की समस्या है तो उसे चौबीस घंटों के भीतर सही करा दिया जाएगा। लोगों की उम्मीद पीएचईडी विभाग से हटकर नप की तरफ चली गई है।

जलजमाव के कारण जर्जर हो गई है सड़क: बता दें कि इस जगह पर जलजमाव के कारण सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिस कारण लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि हर समय वाहन दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। बता दें कि अभी हाल ही में इस सड़क की मरम्मत करवाई गई थी, लेकिन जलजमाव के कारण पूरी तहर से गड्ढों में तब्दील हो गई है। लोगों का कहना है कि बरसात में इस पथ से गुजरना मुश्किल हो जाएगा।

यहां बता दें कि जतकुटवा बस्ती में जलमीनार लगाए जाने व जलापूर्ति के लिए पाइप बिछाए जाने के दौरान संवेदक द्वारा भारी पैमाने पर अनियमितता बरती गई थी तथा दोयम दर्जे का पाइप लगाया गया था, जिस कारण यह समस्या बनी हुई है।

यह भी दिलचस्प है कि इस मोटर पंप से सिर्फ जतकुटवा बस्ती तक ही जलापूर्ति सिमटकर रह गई है, बावजूद हर महीने पाइप फटने से हजारों लीटर पेयजल बर्बाद होता है तथा अबतक दर्जनों बार मरम्मत के नाम पर नगर परिषद हजारों रूपए खर्च कर चुकी है, जिससे कई सवाल उठ रहे है।

अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य राजू खरवार का किया गया स्वागत

बक्सर। शहर के होटल में बिहार सरकार द्वारा बनाये गए बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य राजू खरवार का स्वागत एवं सम्मान अंग वस्त्र एवं पुष्प माला दे कर किया गया। यह सम्मान जिला के खरवार जनजाति के कर्मचारी एवं प्रबुद्धजनों द्वारा किया गया। राजू खरवार जो कि बारे मोड़ चौसा के निवासी है। इनके बिहार राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य बनाये जाने से बक्सर जिले के जनजाति समुदाय के लोगो मे काफी खुशी है। कार्यक्रम मे चन्दन खरवार ने राजू खरवार को सम्मानित करते हुए जनजाति समुदाय के एक एक समस्याओ से अवगत कराये। राजू खरवार ने बताया कि वो पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक जनजाति समुदाय के एक एक सदस्य के सभी समस्याओं का समाधान कराऊंगा और सरकार के तरफ से मिलने वाले सभी सुविधाएं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। मौके पर महेंद्र खरवार, रवि खरवार, चन्दन खरवार, माधो खरवार, प्रफुल्ल खरवार, रामकेश्वर खरवार, नारायण खरवार, बबन खरवार, नीतीश खरवार, अजय खरवार, अभिषेक खरवार व अन्य मौजूद रहे।

नावानगर एवं सोनबर्षा बाजार के विकास से केसठ बाजार में बढ़ी मंदी की आशंका

केटी न्यजू/केसठ

आस-पास के क्षेत्रों में नावानगर और सोनबरसा जैसे छोटे बाजारों के विकास के कारण केसठ बाजार में मंदी के संकेत मिल रहे हैं। पहले जहां स्थानीय लोग शादी के सीजन में केसठ के बाजारों में आभूषण, कपड़े और अन्य जरूरी सामान खरीदते थे, अब वे बेहतर सुविधाओं और विकल्पों के कारण इन नए विकसित बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, केसठ में किराना दुकानों का कारोबार तो स्थिर है, लेकिन आभूषण, कपड़े और अन्य सामान की दुकानों में गिरावट आई है।

विशेषकर शादी जैसे बड़े अवसरों पर लोग अब नावानगर और सोनबरसा जैसे बाजारों में जाकर खरीदारी करना पसंद कर रहे हैं, जहां उन्हें ज्यादा विविधता और बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।एक स्थानीय व्यापारी, दिनेश महतो ने बताया,पहले लोग शादी की सामग्री और अन्य चीजें केसठ के बाजार से खरीदते थे, लेकिन अब वे अन्य जगहों पर जा रहे हैं। इससे हमारे व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा रहा है इस बदलाव के पीछे मुख्य कारण क्षेत्र में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और नावानगर व सोनबर्षा बाजार का तेजी से विकास हुआ है।

इन क्षेत्रों में बेहतर शॉपिंग अनुभव व अधिक विकल्प मिल रहे हैं, जिसके कारण केसठ की दुकानों पर ग्राहकों की कमी हो रही है। हालांकि, कुछ व्यापारियों का मानना है कि यदि केसठ के बाजारों को भी विकास के इस रुझान से जोड़कर नई सुविधाएं और रणनीतियां अपनाई जाएं, तो व्यापार फिर से बढ़ सकता है। साथ ही, स्थानीय प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वे छोटे बाजारों के विकास के लिए ठोस कदम उठाएंगे, ताकि व्यापारियों को इस कठिन समय से उबरने का मौका मिल सके।

सोनवर्षा बाजार में सरकारी चापाकल के अभाव में नहीं बुझ रही प्यास, बोतलबंद पानी खरीद रहे हैं लोग

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड अंतर्गत सोनवर्षा बाजार के लोग इन दिनों भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। बाजार क्षेत्र में सरकारी चापाकलों की भारी कमी है, जिससे स्थानीय लोगों व दुकानदारों को शुद्ध पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की मानें तो क्षेत्र में वर्षों पहले लगाए गए कुछ सरकारी चापाकल अब या तो खराब हो चुके हैं या पानी देना बंद कर चुके हैं। वहीं, सरकार की बहुप्रचारित ह्यनल-जल योजनाह्न भी यहां पूरी तरह फेल साबित हो रही है। अधिकांश घरों और दुकानों में नल लगाने की प्रक्रिया पूरी भी नहीं हुई है। जिस घर में नल लगे भी है,तो उसमें महीनों से पानी नहीं आ रहा है।

ऐसे में आम जनता को मजबूरी में पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। बोतलबंद पानी और निजी वाटर सप्लाई पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। बाजार के दुकानदार बताते हैं कि गर्मी के इस मौसम में एक दिन में कई बार पानी खरीदना पड़ता है, जो आमदनी को प्रभावित कर रहा है। वही स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार पंचायत और प्रखंड कार्यालय में शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अविलंब बाजार क्षेत्र में चालू चापाकलों की व्यवस्था की जाए और नल-जल योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके और उन्हें इस गंभीर संकट से राहत मिल सके।

फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों पर गिरेगी गाज, 72 को शो-कॉज जारी

केटी न्यूज/केसठ

सरकारी स्कूलों में अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग ने ई-शिक्षा कोष एप पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य किया है। बावजूद इसके, कुछ शिक्षक अब भी गड़बड़ी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामले में केसठ प्रखंड से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने का मामला सामने आया है, जिसमें 72 शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

डीपीओ की ओर से जारी ज्ञापांक के अनुसार, ई-शिक्षा कोष एप पर प्रतिदिन शिक्षकों की विद्यालय में उपस्थिति, समय और मोबाइल कैमरे से ली गई फोटो प्रविष्टियों की जांच में फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। जांच में यह भी पाया गया कि कई शिक्षक विद्यालय अवधि के पूर्व ही बिना किसी मार्ग आउट के गायब हो जाते हैं।जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि कुछ शिक्षकों ने कई कार्यदिवसों में विद्यालय पहुंचे बिना ही एप पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। विभाग द्वारा एप के माध्यम से निगरानी किए जाने पर इस गड़बड़ी का बड़े पैमाने पर खुलासा हुआ है।

इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए डीपीओ ने संबंधित स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया है कि वे उक्त 72 शिक्षकों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्राप्त कर कार्यालय को उपलब्ध कराएं। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाईकी चेतावनी दी गई है। शिक्षा विभाग की इस सख्ती से साफ है कि अब फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों की खैर नहीं।

आईईएसएम की मासिक बैठक आयोजित, ऑपरेशन सिंदूर पर जाहिर की गई खुशी

पीएम और तीनों सैन्य अध्यक्ष बधाई के पात्रः अजय

- बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/डुमरांव

रविवार को आईईएसएम डुमरांव अनुमंडल की मासिक बैठक स्थानीय जयपुरिया स्कूल के सभागार में अनुमंडल चेयरमैन सूबेदार अजय पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष हवलदार गजेंद्र तिवारी ने किया। इस दौरान चेयरमैन ने पहलगांव में आतंकियों द्वारा 27 लोगों की गई निर्मम हत्या पर अपनी आक्रोश जाहिर करते हुए भारतीय सेना के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर खुशियां जाहिर की।

साथ ही, उन्होंने सभी सैनिकों का साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं तीनों

सेनाध्यक्षों का धन्यवाद जताया। उपाध्यक्ष सूबेदार जैनेंद्र सिंह ने बताया कि जो सैनिक ईसीएचएस कार्ड नहीं बनाए हैं उसे जल्द बनवा लें। हवलदार गजेंद्र तिवारी ने बताया कि सभी सैनिक अपने कागजात की जांच कर ठीक कर ले अन्यथा बाद में परिवार एवं बच्चों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ती है। सभापति सूबेदार जोगेंद्र सिंह ने बताया कि पारस हॉस्पिटल में इकौना ग्राम निवासी चंद्रावती देवी के साथ किए गए मनमानी पैसे की मांग करने पर आईईएसएम बक्सर के द्वारा लिए गए कड़े फैसले से उसे 8565 रुपए का बिल दिए जाने पर शीघ्र नो ड्यूज कराया गया तथा इसके विरुद्ध में कड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी और आरसी पटना एवं अन्य हाई कमान को पत्र लिखा गया। उप कोषाध्यक्ष नायब सूबेदार मनोरंजन तिवारी ने बताया कि डीएसपी एकाउंट जिसके बारे में सही जानकारियां नहीं दी जाने पर आर बी आई गवर्नर को भी जिलाध्यक्ष द्वारा पत्र लिखा गया है। सभी सैनिकों ने पीसीडीए प्रधान नियंत्रक माननीय संदीप सरकार साहब के सराहनीय कार्यों की काफी सराहना की तथा खुशी जाहिर की कि प्रधान नियंत्रक साहब के नेतृत्व में दिन रात युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। पीसीडीए के सभी अधिकारियों एवं मनोज सिंह साहब के द्वारा किए गए सराहनीय कार्य से सभी सैनिकों में खुशी की लहर है। सचिव वारंट ऑफिसर सतीश सिंह ने बताया कि जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी और आई ई एस एम की पूरी टीम अपने कार्य के बल पर देश के हर कोने में अपना परचम लहरा रही है। संघ के सदस्यों ने शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण किया गया।

आठ जून को भोजपुर आएंगे चिराग पासवान, सात जिलों से पहुंचेंगे समर्थक

- कार्यक्रम में निर्धारित जिलों के कार्यकर्ता व नेताओं से केंद्रीय मंत्री करेंगे संवाद

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में आने वाले 8 जून को लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आएंगे। इनके आगमन की तैयारी तेज हो गई है। जिला के सभी कार्यकर्ता अपने नेता के आगमन को लेकर तैयारी में जुट गए है। 7 जिलों से इस कार्यक्रम में लोग पहुंचेंगे।

आगामी आठ जून को चिराग पासवान रमना मैदान के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में पहुंचेंगे। जहां चिराग पासवान अपने कार्यकताओं के साथ 9 संकल्प संवाद पर चर्चा करेंगे। इसी कार्यक्रम को लेकर लोजपा के नेताओं ने एक समीक्षा बैठक किया। जिसमें जिलाध्यक्ष समेत अन्य नेता शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य मेहमान लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी थे। समीक्षा बैठक के दौरान राजू तिवारी ने बताया कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आरा के ऐतिहासिक रमना मैदान वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में आरा की जनता को संबोधित करेंगे। जिसकी तैयारी को लेकर के यह समीक्षा बैठक की गई है।पार्टी के नेता ने 9 संकल्प संवाद कार्यक्रम में होने वाले तैयारी को लेकर बताया कि इस बैठक में जिला अध्यक्ष समेत प्रखंड के भी कई नेता शामिल हुए है। बैठक में 226 पंचायत है। नगर है तो हम लोग घर-घर तक कैसे संदेश पहुंचाएं, इस पर चर्चा की जा रही है। हमारे नेता, कार्यकर्ता 8 जून को होने वाले कार्यक्रम को लेकर घर-घर जाकर के आमंत्रित करने का काम सोमवार से शुरू कर देंगे।

लाखों की संख्या में शामिल होंगे लोग : कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हमें उम्मीद है कि लाखों की संख्या में लोग शामिल होंगे। इसमें केवल एक ही जिला नहीं लगभग सभी जिला को आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है। अरवल, भोजपुर, रोहतास, बक्सर, कैमूर और औरंगाबाद के तीन विधानसभा के लोग इस 9 संकल्प संवाद कार्यक्रम का हिस्सा होने जा रहे हैं।

संकल्प संवाद कार्यक्रम आरा शहर में होना तय : डैमेज कंट्रोल पर प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि ऐसा कुछ भी नहीं है। हम लोग बहुत स्तर पर सभी कार्यकर्ता को मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने बताया कि हमारे प्रभारी नेता ने बताया कि 9 संकल्प संवाद कार्यक्रम आरा शहर में होना तय हुआ है। जिसके बाद से ही हम और हमारे सभी नेता इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुट गए हैं। बैठक में ही हम सभी कार्यकर्ता और नेता लोगों से बैठकर बात करेंगे और कार्यक्रम को किस तरीके से सफल बनाना है। उसे पर चर्चा की जा रही है। मुझे उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे।

एक नजर

लोजपा के नव संकल्प महासभा का रमना मैदान में होगा भव्य आयोजन : सोनू

डेहरी ऑन सोन। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास द्वारा आयोजित नव संकल्प महासभा में 8 जून को पूरे रोहतास जिला सहित डेहरी विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में महिला पुरुष भोजपुर जिला के आरा मुख्यालय स्थित रमना मैदान में शामिल होंगे। जिसके लिए लोजपा रामविलास के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता व डेहरी विधानसभा के जाने माने समाजसेवी राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह पूरी तैयारी में लग गए हैं। उन्होंने बताया कि पूरे रोहतास जिले से 8 जून रविवार को सुबह में छोटे बड़े कई वाहनों से हजारों लोग आरा के रमना मैदान में शामिल होने जाएंगे। सोनू सिंह ने पूरे रोहतास जिला वासियों अभिभावकों युवा साथियों नौजवानों माताओं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में नव संकल्प महासभा में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नव संकल्प महासभा में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भव्य महासभा को कार्यकताओं के बीच संबोधित करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष जयसवाल के नई टीम के साथ विधानसभा चुनाव का होगा शंखनाद

बिक्रमगंज। विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ने बनाई विशेष रणनीति। जिसको लेकर भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने शनिवार को पार्टी की प्रदेश इकाई की नई टीम का ऐलान करते हुए पार्टी संगठन में विशेष फेरबदल कर नए टीम का ऐलान किया। को नई सूची में 35 नेताओं को विभिन्न अहम पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की आगामी चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जो गठित नई टीम के अंतर्गत रणनीतिक पदों पर प्रभावशाली एवं अनुभवी के साथ पुराने चेहरों को प्राथमिकता मिली है। पार्टी में 13 प्रदेश उपाध्यक्ष, 14 प्रदेश मंत्री, 5 प्रदेश महामंत्री, एक कोषाध्यक्ष एवं दो सह कोषाध्यक्ष के नामों की घोषणा की गई है। वही महिला मोर्चा के दो पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को पार्टी ने पदोन्नति दी है। इस पर काराकाट विधानसभा के भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल को भाजपा की नई टीम की गठन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही नए टीम में शामिल सदस्यों में शिवेश कुमार प्रदेश महामंत्री, राजेंद्र वर्मा प्रदेश महामंत्री, सिद्धार्थ शंभू प्रदेश उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, त्रिविक्रम नारायण सिंह प्रदेश मंत्री, अजय यादव प्रदेश मंत्री, अशोक वट क्षेत्रीय सह शाहाबाद प्रभारी के प्रति भी डॉ. मनीष ने आभार जताते हुए कहा कि भाजपा की यह नई टीम आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को नई ऊर्जा देने और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

खरीफ महाअभियान : खरीफ मौसम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

आरा। गड़हनी प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन गड़हनी के सभागार में शनिवार को खरीफ महाअभियान 2025 के लिए प्रखंड स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन प्रखंड प्रमुख विनोद सिंह, डीएओ शत्रुघ्न साहु, कृषि वैज्ञानिक डॉ सच्चिदानंद सिंह, शशि भूषण कुमार शशि, बीएओ मनोज कुमार चौधरी, डॉ. विकास सिंह, राजू कुमार, उपप्रमुख प्रतिनिधि सह बीस सूत्री सदस्य संजीत चन्द्रवंशी, आत्मा अध्यक्ष सुरेंद्र यादव और जिप प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव की ओर से संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला में उपस्थित बड़ी संख्या में किसानों को वित्तीय वर्ष 2025 के लिए खरीफ मौसम की विभिन्न योजनाओं ससमय खेती, बीजोपचार, सीएम तीव्र बीज बिस्तार योजना, बीज ग्राम, श्री विधि जैविक खेती के महत्व आदि की जानकारी विस्तारपूर्वक दी। वहीं कृषि वैज्ञानिक ने धान में लगने वाले रोगों से निजात पाने और खर-पतवार एवं उससे बचाव की जानकारी दी। साथ ही कृषि में नवाचार के लिए प्रेरित किया। वहीं आत्मा योजना अंतर्गत समूह निर्माण, परिभ्रमण, प्रशिक्षण, कृषि यंत्र बैंक, मशरूम उत्पादन व कौशल विकास योजना अंतर्गत गार्डेनर प्रशिक्षण की जानकारी दी गई।

स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष व सदस्यों ने किया योगदान

बक्सर। जिले मे काफी लंबे समय के बाद जिले में लोक अदालत दुबारा शुरू हुआ है. जहां अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत जज एवं सदस्य के रूप में दो लोगों ने योगदान कर लिया है। जिसके बाद जिले वासियों को अब स्थायी लोक अदालत की सुविधा मिलेगा।

लोक अदालत का दूसरा प्रकार स्थायी लोक अदालत है, जो विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत आयोजित की जाती है। स्थायी लोक अदालतों की स्थापना एक अध्यक्ष और दो सदस्यों वाली स्थायी संस्थाओं के रूप में की गई है। अध्यक्ष प्रवीन कुमार सिंह सदस्य माधव राय व सुनील कुमार सिन्हा योगदान कर लिया है। इसके अन्तर्गत निम्न लोक उपयोगिता सेवा प्रदान किया जाता है। जिसमें वायु, सड़क या जल द्वारा यात्रियों या माल के परिवहन सेवा डाक, टेलीग्राम या टेलीफोन सेवा किसी स्थापना द्वारा जनता कि शक्ति, रोशनी या पानी कि आपूर्ति लोक स्वच्छता या स्वास्थ्य रक्षा की प्रणाली वो अस्पताल या डिस्पेंसरी में सेवा, बीमा सेवा और किसी ऐसी सेवा को शामिल किया जाता है, जिससे केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार जो भी स्थित हो लोक हित में अधिसूचना द्वारा इस अध्याय के प्रायोजनों के लिए लोक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों के सुलह और निपटारे के लिए अनिवार्य पूर्व-मुकदमेबाजी तंत्र प्रदान करती हैं। यहां, भले ही पक्षकार किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहते हैं, स्थायी लोक अदालत को विवाद का फैसला करने का क्षेत्राधिकार प्राप्त होता है, बशर्ते विवाद किसी अपराध से संबंधित न हो।

विक्रमगंज स्थित धारूपुर गांव का करियवा बाल बना अपराधियों के लिए सुरक्षित जोन

अपराधियों ने बालू कारोबारी की हत्या कर शव को नहर फेंका, लोगों में दहशत

- घटना के बाद अपराधियों के विरुद्ध तत्वरित कार्रवाई में जुटी पुलिस
- परिजनों ने कहा- हर दिन शाम को निकला था घर से, लेकिन शनिवार को नहीं लौटा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के धारुपुर सूर्यमंदिर समीप बथानी गांव के नहर से एक युवक के शव मिलने से लोगों में अफरा तफरी मच गई। जो दिल दहला देने वाली इस वारदात अब लोगों में भय कायम है। बताया जाता हैं कि मृतक धारुपुर गांव निवासी रामेश्वर यादव उर्फ रोहन यादव का छोटा 25 वर्षीय बेटा सुशील यादव उर्फ भूअर यादव है। जो घटित घटना शनिवार की देर रात की होने की अनुमान लगाई जा रही है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा बताया जा रहा है कि मृतक सुशील अपना एक ट्रैक्टर रख बालू का कारोबार करता था। वह प्रतिदिन शाम को गांव के बाहर नहर पुल पर जाता था और देर शाम घर लौटता था। लेकिन हर दिन की तरह शनिवार को भी वह वहां गया था। इसके बाद देर रात तक घर नहीं लौटा। मृतक और उनके बड़े भाई जो अलग अलग रहते हैं। मृतक के घर उसकी पत्नी और दो मासूम बच्चें जिनकी उम्र महज 5 से 3 वर्ष ही हैं।

मृतक सुशील गांव के पुल पर हमेशा बैठता था देर रात तक : बताया जाता है कि मृतक हमेशा गांव के स्थित उस पुल के पास जाता था और देर रात तक बैठता था। लेकिन शनिवार को गया तो वापस नहीं लौटा। जिसकी रविवार को मिलने की सूचना उसके मौत की खबर के साथ मिली। बताया जाता हैं कि रविवार की सुबह गांव के लोग जब शौच के लिए निकले थे तभी उनकी नजर नहर में फेंकी हुई शव पड गई। जिसकी पहचान होते ही उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। जिसकी बाद परिजनों सहित गांव के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जहां शव के पास परिजन दहाड़ मार रोने लगे। दूसरी तरफ मृतक के शरीर पर कई जख्म मिले जिससे प्रतीत हुआ कि युवक की हत्या रड या कठोर लाठी या किसी अन्य सामान से हमला कर की गई है। वही घटना स्थल से मृतक सुशील का मोबाइल और बाइक घटनास्थल से ही बरामद हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय और थानाध्यक्ष ललन कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए कानूनी कार्रवाई के लिए जांच में जुट गए है।

वही पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। इस संबंध में एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है और शीघ्र ही इस वारदात में संलिप्त अज्ञात अपराधियों की उद्भेदन की संभावना है। युवक की हत्या के पीछे किसका साजिश हैं पुलिस इसका पता लगाने में जुटी गई है।

दूसरी तरफ देखा जाए तो इस क्षेत्र में अपराधियों ने अन्य कई हत्या जैसे घटना को वारदात दे चुके है। जो स्थानीय पुलिस के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं।

आरा में पंखे से लटका मिला आलू व्यवसायी का शव, मची सनसनी

केटी न्यूज/आरा

जिले के नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मुहल्ला स्थित आर्यपुरी कॉलोनी में रविवार की सुबह पंखे से लटका आलू व्यवसायी का शव बरामद हुआ है। शव मिलते ही आसपास के इलाके में सनसनी मच गयी। वहीं, परिजन द्वारा आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गयी है।

जानकारी के अनुसार मृतक ईमादपुर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी राम नारायण राय का 35 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार राय है। वह आलू एवं अन्य सामान की खरीद-बिक्री करता था। वह पूर्व में ट्रक भी चलाया करता था। वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मुहल्ला स्थित आर्यपुरी कॉलोनी में अपना मकान बनाकर रहता था। मृतक के पिता राम नारायण राय ने बताया कि वह गांव पर रहते हैं। उनका पुत्र संतोष कुमार राय अपनी पत्नी व बच्चे के साथ आरा के आर्यपुरी कॉलोनी में रहता था। सोमवार की सुबह उन्हें सूचना मिली के उसने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। घटना के समय मृतक की पत्नी व लड़का घर से बाहर थे। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी जानकारी स्थानीय थाने को दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पंखे से नीचे उतरा। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। हालांकि व्यापारी ने आत्महत्या क्यों की। इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है? बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में पत्नी सोमी देवी एवं एक 8 वर्षीय पुत्र मिक्की कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है।

35 लाख रुपये के कर्ज से परेशान अधेड़ ने की आत्महत्या

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में कर्ज से परेशान होकर एक शख्स ने जहर खा लिया। उसे इलाज के लिए पटना ले जाया जा रहा था, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक आयर थाना क्षेत्र के लालगंज बलिगांव निवासी सिपाही चौधरी का 41 वर्षीय बेटा भोला चौधरी है। जो पेशे से मजदूर था।

मृतक की पत्नी झुनी देवी ने बताया कि 2 जवान लड़की है। जिसे लेकर बात काफी चिंतित रहते थे। करीब 35 हजार रुपया कर्ज लिया था। टेंशन में रहते थे। 10 दिन से वे सिर्फ नशा कर रहे थे और खाना भी नहीं खा रहे थे। दो दिन से वो घर के बाहर ही सो रहे थे। शनिवार दोपहर जहरीला पदार्थ लाया और खा लिया। जिसके बाद आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से पटना रेफर कर दिया गया था।

मामला आयर थाना क्षेत्र के लालगंज बलीगांव का है। सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची। शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम कराया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी झुनी देवी, चार बेटियां रेखा, नेहा, स्नेहा, गीता व 4 बेटे मुकेश, राकेश, जितेश और रितेश है।

जनता की समस्या जानने को भाजपा नेता गुड्डू सिंह बबुआन चलाएंगे जिले में जन संवाद कार्यक्रम

केटी न्यूज/आरा

भाजपा नेता गुड्डू सिंह बबुआन ने रविवार को एक स्थानीय होटल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ऐलान किया कि वे आरा विधानसभा क्षेत्र में जन संवाद कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से वे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जानने और उनके समाधान की दिशा में काम करेंगे।

उन्होंने बताया कि जन संवाद कार्यक्रम का पहला चरण 3 जून से 15 जून तक चलेगा, जिसमें आरा शहरी क्षेत्र के हर वार्ड में बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में लोगों से सीधा संवाद किया जाएगा और उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी। गुड्डू सिंह ने आश्वस्त किया कि जनता द्वारा उठाई गई समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। यदि जरूरत पड़ी तो वे सरकार और पार्टी के संबंधित जनप्रतिनिधियों से भी संपर्क कर समाधान की पहल करेंगे। पहले चरण के बाद यह कार्यक्रम आरा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा। हर गांव में जाकर वहां के लोगों से समस्याएं सुनी जाएंगी और उनके निराकरण के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। गुड्डू सिंह ने कहा, "राजनीति हमारे लिए कोई व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। जनता की सेवा करना ही हमारा धर्म और उद्देश्य है। इस दौरान सौदागर बिंद, लाला यादव, चंदन पासवान, राधे पासवान, प्रियांशु श्रीवास्तव, लाली कुशवाहा व अन्य समर्थक उपस्थित रहे।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीबी जांच के लिए पहुंचने लगे लोग

टीबी जांच का दायरा बढ़ाने से संक्रमित लोगों की होगी पहचान

केटी न्यूज/सासाराम

टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए रोहतास जिला स्वास्थ्य समिति लगातार टीबी जांच का दायरा बढ़ा रही है ताकि अधिक से अधिक मरीजों का पता लगाकर उनका इलाज किया जा सके। इसके लिए सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की स्क्रीनिंग की जा रही है।

लोगों को टीबी जांच करने के लिए पीएचसी, अनुमंडल अस्पताल या फिर सदर अस्पताल आने में असमर्थता को देखते हुए एच डब्ल्यू सी स्तर तक टीबी स्क्रीनिंग की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। इसी के तहत जिले के पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी जांच

के लिए ट्रू नेट मशीन की भी उपलब्धता करा दी गई है। ऐसे में अब इन सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी जांच की सुविधा होने पर लोगों को सुविधा हो रही है।

यूपीएचसी पर आ रहें लोग: रोहतास जिले के सासाराम अनुमंडल में तीन एवं डेहरी अनुमंडल में दो शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मौजूद है और इन सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीबी जांच के लिए ट्रू नेट मशीन की व्यवस्था की गई है। अब इन केंद्रों पर टीबी के लक्षण वाले लोगों की जांच की जा रही है। वही टीबी के लक्षण दिखाई देने वाले लोगों के लिए भी काफी सहूलियत हो रही है कि उन्हें घर के नजदीक ही जांच की सुविधा उपलब्ध हो रही है। जिला शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार इन पांचों केंद्रों पर अप्रैल 2025 में ट्रू नेट मशीन की सुविधा उपलब्ध करायी गई थी जहां अभी तक 50 से अधिक लोगों का सैंपल जांच किया जा चुका है ।

जानकारी के साथ लोगों में आयेगी जागरूकता: जिला शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जिला स्वास्थ्य सलाहकार तारिक अनवर ने बताया कि राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 10 अप्रैल को सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ट्रू नेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। उसके बाद संदिग्ध मरीजों की जांच लगातार की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्र के आसपास के लोगों को इस सुविधा के बारे में जानकारी दी जा रही है।

सीडीओ डॉक्टर आसित रंजन ने बताया कि टीबी जांच का दायरा बढ़ने से अधिक से अधिक मरीज का पता लगाया जा सकता है। ऐसे में उनका इलाज कर संक्रमण के चेन को तोड़ा जा सकता है, तभी हमारा जिला टीबी मुक्त हो सकता है। उन्होंने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है इसके इसके चेन को तोड़ना जरूरी है। जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए पंचायत स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

महर्षि मेंहीं जैसे संतों का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है: सम्राट

केटी न्यूज/पटना

भारत की अध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। कुप्पाघाट स्थित संतमत आश्रम में रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह में महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज के जीवन और विचारों पर आधारित हिंदी फिल्म मेंहीं- एक विचार का फर्स्ट लुक जारी किया गया। इसके साथ ही कुप्पाघाट आश्रम के मोबाइल एप और वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इन पहलों का शुभारंभ किया और इसे आध्यात्मिकता और तकनीक के अद्भुत संगम की संज्ञा दी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि भारत की आत्मा ऋषि परंपरा में बसती है, और महर्षि मेंहीं परमहंस जी जैसे संतों का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक फिल्म या एप के लोकार्पण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संतमत की चेतना को विश्व पटल पर पहुंचाने की एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोबाइल एप्लिकेशन और पोर्टल के माध्यम से देश-विदेश में बसे अनुयायियों को सत्संग, भजन, साहित्य और मार्गदर्शन सहज रूप में उपलब्ध होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने फिल्म को समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए एक उदात्त प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से संतों के जीवन की गहराई, उनका त्याग और तपस्या जनमानस तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। यह फिल्म संतमत की विचारधारा को सिनेमा जैसे सशक्त माध्यम से आमजन के बीच लाने का प्रयास है। फिल्म मेंहीं- एक विचार, एक व्यक्तित्व के निर्देशक दीपक साह ने कहा कि यह महज एक बायोपिक नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक दस्तावेज है। उन्होंने बताया कि फिल्म में महर्षि मेंहीं जी के जीवन के विविध पहलुओं जैसे साधना, समाजसेवा, ध्यान और जनकल्याणकारी कार्यों को चित्रित किया गया है, जिससे हर आयु वर्ग के दर्शक प्रभावित होंगे। फिल्म का निर्माण अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा, कुप्पाघाट और अवर पाथ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। महासभा के महामंत्री दिव्य प्रकाश ने कहा कि यह लोकार्पण एक तकनीकी उपलब्धि ही नहीं, संतमत की चेतना को नई दिशा देने का संकल्प भी है।

कटिहार में एक ही रात चार घरों में भीषण चोरी, साढ़े 12 लाख रु. नकदी और जेवरात ले उड़े चोर

केटी न्यूज/पटना

कटिहार जिले में अपराधियों ने बीती रात पुलिस और प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए चार घरों में भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने इन घरों से करीब 12 लाख 50 हजार रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के उदामा रेखा गांव की है, जहां वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और लोग सदमे में हैं। इस संगठित चोरी की सबसे बड़ी वारदात गांव के खाद व्यवसायी मदन सिंह के घर पर हुई। चोरों ने यहां से बड़ी मात्रा में नकद राशि और कीमती जेवर चुरा लिए। इसके अलावा गांव के श्रवण सिंह, विश्वनाथ सिंह और जीतन पासवान के घरों में भी चोरों ने धावा बोलते हुए सामान समेट लिया। चारों घरों में चोरी की यह घटना एक ही रात में हुई, जिसने न सिर्फ पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी गहरा दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। खेतों और सड़क किनारे से कुछ संदिग्ध कपड़े बरामद किए गए हैं, जिन्हें सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है, जिसका फायदा उठाकर चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। एक ही रात में चार घरों में चोरी ने प्रशासन की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए और चोरों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

तेज प्रताप ने सुबह पांच बजकर 27 मिनट में एक्स' पर किया भावुक पोस्ट

मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया आप दोनों में ही समाई है

केटी न्यूज/पटना

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुद को सियासी साजिशों का मारा बताया। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर लिखे पोस्ट में कुछ 'जयचंद जैसे लालची लोगों' पर निशाना साधा। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन सियासी गलियारे में तमाम नामों की चर्चा शुरू हो गई है। सभी अपने-अपने अनुमानों के हिसाब से अपने-अपने दावे कर रहे हैं। तेज प्रताप सुबह-सुबह पांच बजकर 27 मिनट में 'एक्स' पर एक भावुक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने अपने पिता और मां के लिए अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया, जबकि अपने खिलाफ राजनीति करने वालों को भी सख्त संदेश दिया। उन्होंने लिखा, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए न कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो न ये पार्टी होती और न मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।

तेज प्रताप ने छोटे भाई के लिए लिखा, 'मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोसा रखना। मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी।'

तेज प्रताप यादव ने अपने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारों-इशारों में उन्होंने कई लोगों को निशाने पर लिया। राजनीतिक जानकारों की मानें तो तेज प्रताप का निशाना शुरू से ही उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद संजय यादव पर रहा है। इससे पहले भी कई मौकों पर तेज प्रताप ने संजय यादव के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई है। चार साल पहले जब राजद युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के पद से आकाश यादव को हटाया गया तो तेज प्रताप यादव ने पहले राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और फिर संजय यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उस वक्त तेज प्रताप यादव ने यहां तक कह दिया था कि पार्टी में हमारे विरोधी हमारी हत्या भी करा सकते हैं। इसके बाद संजय यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा था कि हरियाणा का आदमी लालू परिवार और राजद में मतभेद पैदा कर सकता है। इस बयान के बाद भी तेज प्रताप कई जगह बिना नाम लिए अपने भाई के करीबी पर हमला बोलते दिखे। अब आज जब फिर से तेज प्रताप ने 'जयचंद' शब्द का प्रयोग किया तो लोग इसे पुराने विवाद ही से जोड़कर देखने लगे हैं।

कुछ अटकलें ऐसी भी: बिहार की सियासत को करीब से जानने वाले लोगों का मानना है कि तेज प्रताप से जुड़े घटनाक्रमों की शुरूआत तभी हो गई थी, जब बड़े तेज प्रताप यादव (स्वास्थ्य मंत्रालय समेत अन्य जिम्मेदारी) को छोटा पद देकर छोटे तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद जब दोबारा मौका आया तो तेज प्रताप (पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) के पद में और कटौती कर दी गई, जबकि तेजस्वी दोबारा उपमुख्यमंत्री बने। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अगर विधानसभा चुनाव इस साल नहीं होते तो शायद तेज प्रताप पर कार्रवाई भी नहीं होती।

पूर्णिया में बड़े भाई ने छोटे की ले ली जान

पूर्णिया। पूर्णिया में संदिग्ध स्थिति में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना हाट थाना क्षेत्र के जनता चौक के पास की है। मृतक की पहचान सहायक खजांची थाना क्षेत्र के जेल चौंक निवासी पूरण शर्मा के पुत्र मनोज शर्मा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के पिता पूरण शर्मा ने बताया कि बेटा प्रकाश शर्मा अक्सर शराब पीकर घर में गाली-गलौज करते हैं। बीते 28 मई को शराब पीकर प्रकाश शर्मा गाली-गलौज कर रहा था। जब छोटा पुत्र मनोज शर्मा ने गाली-गलौज करने से मना किया, तो पूरण अपने छोटे भाई मनोज शर्मा पर टूट पड़ा।

दरभंगा में उपद्रवियों ने गर्भगृह में घुसकर सात मिट्टी से बने पिंडों को तोड़ तहस-नहस किया

केटी न्यूज/पटना

दरभंगा जिले में धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। लहेरियासराय थाना क्षेत्र के मदारपुर चौक स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल में उपद्रवियों ने गर्भगृह में घुसकर सात मिट्टी से बने पिंडों को तोड़कर पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। यह घटना तब उजागर हुई जब श्रद्धालु प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना के लिए धार्मिक स्थल पहुंचे। जैसे ही लोगों की नजर अंदर हुए विध्वंस पर पड़ी, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त हो गया और देखते ही देखते धार्मिक स्थल के बाहर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दरभंगा पुलिस सक्रिय हो गई और तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभालने में जुट गई। मौके पर दरभंगा सदर के एसडीपीओ अमित कुमार स्वयं भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और धार्मिक स्थल परिसर व आसपास की स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पूरे क्षेत्र की सुरक्षा कड़ी कर दी है और आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि घटना बेहद संवेदनशील है और इसकी जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है, हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते भीड़ को शांत कर घटनास्थल से हटाया गया है। फिलहाल धार्मिक स्थल परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। मदारपुर के निवासी अंकुर गुप्ता ने इस घटना को आस्था पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय कृत्य है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे कुकृत्य को अंजाम देने वालों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

मोतिहारी में ग्रामीण चिकित्सक और उनकी पत्नी की हादसे में मौत

मोतिहारी। मोतिहारी जिले में एक ग्रामीण चिकित्सक और उनकी पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना पीपरा थाना क्षेत्र के महुआवा कट के पास की है, जहां एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दंपति को कुचल दिया। मृतकों की पहचान पीपरा थाना क्षेत्र के चकवारा वार्ड संख्या 10 निवासी डॉ. नगेंद्र प्रसाद (45) और उनकी पत्नी अंशु कुमारी (37) के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, नगेंद्र प्रसाद लोकप्रिय ग्रामीण चिकित्सक थे और बनझुला कट के पास दवा की दुकान चलाते थे। बताया जा रहा है कि शनिवार देर शाम वे अपनी पत्नी के साथ ससुराल में आयोजित एक शादी समारोह से लौट रहे थे। तभी महुआवा कट के पास तेज गति से आ रही एक वैगनआर कार ने बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। कार के नीचे फंस गए पति-पत्नी, कई मीटर तक घसीटे गए

चिराग पासवान के बहनोई और सांसद अरुण भारती ने किया खुलासा

विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान आरक्षित सीट से नहीं बल्कि सामान्य सीट से लड़ सकते हैं चुनाव

केटी न्यूज/पटना

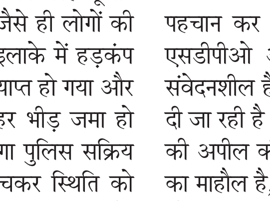

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी पार्टियों में से एक लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास बिहार विधानसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन हर हाल में बेहतर करना चाहती है। इसी को लेकर लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बड़ी जनसभा करने जा रहे हैं। इसका नाम नव-संकल्प महासभा दिया गया है। यह सभा आठ जून को आरा के बाबू वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में होगी।

इस कार्यक्रम को लेकर सियासी गलियारी में अभी से ही खूब चर्चा हो रही है। कई जानकार यह कह रहे हैं चिराग केंद्र से ज्यादा राज्य पर अब फोकस कर रहे हैं। कुछ विपक्षी नेता ने यह तक कह दिया कि लोजपा (रामविलास) के नेता चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं। इस बात को चिराग पासवान के बहनोई और सांसद अरुण भारती ने अपने बयान से पक्का कर दिया। और, स्पष्ट कह दिया कि विधानसभा चुनाव में चिराग आरक्षित सीट से नहीं बल्कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। अरुण भारती ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान हमेशा कहते हैं कि उनकी राजनीति बिहार केंद्रित है और उनका विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट एक विकसित और आत्मनिर्भर बिहार का संकल्प है। यह तभी संभव है जब वे खुद बिहार में रहकर नेतृत्व करें। चिराग पासवान आज सिर्फ प्रतिनिधि नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं। उनका यह कदम सामाजिक न्याय की राजनीति को एक नई दिशा देगा। इसमें प्रतिनिधित्व के साथ-साथ सर्वमान्यता की भी लड़ाई लड़ी जाएगी।

लोजपा (सांसद) ने कहा कि जब मैं प्रदेश प्रभारी के रूप में गांव-गांव गया, हर जगह लोगों की एक ही मांग थी कि चिराग जी को अब बिहार में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। हाल ही में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में खुद चुनाव लड़ें। साथ ही साथ, कार्यकताओं की यह भी भावना है कि इस बार वे किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें। ताकि यह संदेश जाए कि वे अब सिर्फ एक वर्ग नहीं, पूरे बिहार का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। अरुण भारती ने पूछा कि जब नेता पूरे बिहार का है, तो सीट का दायरा क्यों सीमित हो? उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की यह भी भावना है कि इस बार चिराग पासवान जी बिहार विधानसभा के चुनाव में किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें। चिराग पासवान अब सिर्फ.एक समुदाय की नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं।

सुभाषितम्

खुदी को कर बुलन्द इतना, कि हर तकदीर के पहले। खुदा बंदे से खुद पूछे, बता तेरी रजा क्या है। - अकबर इलाहाबादी

दुग्धशाला की शक्ति का परिचायक है आत्मनिर्भरता

दूध में कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, फास्फोरस, आयोडीन, आयरन, पोटैशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी-12, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। गाय के वसा रहित दूध (स्किम्ड मिल्क) में कोलेस्ट्रॉल 2-5 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। पूर्ण वसा (फुल क्रीम) वाले दूध में कोलेस्ट्रॉल 10-15 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर होता है। आंकड़ों के अनुसार एक स्वस्थ्य व्यक्ति 300 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल प्रतिदिन ले सकता है। अतएव दूध पीने से हृदयघात होने की संभावना नगण्य होती है। दूध में मुख्यतः केसिन और व्हेय नामक दो प्रोटीन पाए जाते हैं। दूध में प्रोटीन का 80 प्रतिशत हिस्सा केसिन के रूप में होता है और बाकी 20 प्रतिशत हिस्सा व्हे का होता है। दूध में व्याप्त केसिन प्रोटीन, कैल्शियम और फॉस्फेट के साथ मिलकर छोटे छोटे कण बनाते हैं जिन्हें मिसेल्स कहा जाता है। जब प्रकाश इन मिसेल्स से टकराता है तो यह प्रकाश अपरिवर्तित होकर फैल जाता है। दूध में पाए जाने वाला वसा के कण (फैट ग्लोबुल्स) भी प्रकाश के प्रकीर्णन का कारण बनते हैं। अतएव दूध का रंग सफेद दिखाई देता है। कहने का तात्पर्य यह है कि जिस दूध में जितना ज्यादा वसा (फैट) होगा उसका रंग उतना ही सफेद दिखाई देगा। गाय के दूध में भैंस के दूध की अपेक्षा वसा (फैट) कम होता है और केसिन नामक प्रोटीन भी कम होता है। इसलिए गाय का दूध हल्का पीला दिखाई देता है। दूध में कैरोटीन और कैसिन नामक दो वर्णक (पिगमेंट) होते हैं जो उसके रंग को प्रभावित करते हैं। अतएव कैरोटीन की वजह से गाय के दूध में हल्का पीला रंग होता है, जबकि कैसिन की वजह से दूध का रंग सफेद होता है। भैंस के दूध में केरोटीन कम होता है और फैट ज्यादा। जबकि गाय के दूध में केरोटीन ज्यादा और फैट अपेक्षाकृत कम होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध एक अपारदर्शी, सफेद तरल उत्पाद है। डेयरी शब्द को दुग्ध उद्योग से जोड़ कर देख सकते हैं। दूध को विभिन्न डेरी उत्पादों में परिवर्तन के लिए प्रसंस्करण किया जाता है। दूध के विभिन्न उप उत्पाद भी होते हैं जिन्हे तकनीकी भाषा में मिल्क बाई प्रोडक्ट (दूध के उप उत्पाद) भी कहा जाता है। डेयरी उत्पाद में दूध प्राथमिक घटक के रूप में प्रयोग होता है। जैसे की दूध, दही, पनीर, आइसक्रीम। डेयरी उप उत्पादों में व्हेय, छाछ, स्किम मिल्क, घी के अवशेष (घी रेजिड्यू) आदि आते हैं। दूधऔर डेयरी (दुग्धशाला) का सम्बन्ध बगिया और माली जैसा है। जिस प्रकार एक माली अपनी बगिया को सींचता और सम्हालता है। उसी प्रकार एक माली रूपी डेयरी (दुग्धशाला), बगियारूपी दूध को सम्हालता और संरक्षित करता है। डेयरी (दुग्धशालाएँ) दूध की सुंदरता और उनकी दिव्यता का द्योतक है। दूध का रखरखाव और उसको ताजा बनाए रखने की जिम्मेदारी डेयरी (दुग्धशाला) की होती है। जिसको तकनीकी भाषा में शेल्फ लाइफ ऑफ मिल्क कहा जाता है। अर्थात दूध की पोषकता को लम्बे समय तक बनाए रखना। पोषकता का सम्बन्ध शुद्धता से होना चाहिए। शुद्ध दूध ही एक स्वस्थ्य शरीर का परिचायक है। डेयरी उद्योगों (दुग्धशालाओं) के लिए शुद्धता ही प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकांश डेयरी उद्योग (दुग्धशालाएं) शुद्धता का ख्याल रखते हैं और शुद्ध दूध को ही जन जन तक पहुँचाते हैं। भारत में ब्रांडेड डेयरी (दुग्ध्शाला) में अमूल, पारस, ज्ञान, नमस्ते इंडिया, सुधा, आदि डेयरी आती है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहुत सी लोकल सर्टिफाइड डेयरी (दुग्धशालाएँ) काम कर रही हैं। ये सभी गुणवत्ता व शुद्धता के मामले में काफी आगे हैं। ये सभी डेयरी दूर दराज में रहने वाले लोगों के लिए राम बाण साबित होती हैं। जिस शहर और क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की कमी होती है, वहाँ इन डेयरी (दुग्ध्शाला) द्वारा कमी को पूरा किया जाता है। कुल मिलाकर जनसँख्या के हिसाब से दूध की जितनी खपत है भारत दूध का उतना उत्पादन करने में सक्षम है। अतएव हम कह सकते हैं कि दुग्धशालाएं, दूध को संरक्षित और सुरक्षित करती हैं। विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की 25 वीं वर्षगाँठ मनाई जा रही है। विश्व दुग्ध दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। विश्व दुग्ध दिवस 2025 का थीम/प्रसंग है- आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं। असली मायने में हम डेयरी की शक्ति का जश्न तभी मना सकते हैं जब हर घर दूध और दूध से बने उत्पाद शुद्धता के साथ पहुंचे। डेयरी उत्पाद का शुद्ध होना आवश्यक है। शुद्धता ही असली स्वास्थ्य की निशानी है।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया। अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं। अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है। मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा।

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

-संजय गोस्वामी

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-क्कक डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी। यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार

बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था।यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-जोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरूआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया।

ब्रह्मपुत्र के बहाव रोकने चीन की भारत को धमकी

- सनत जैन

पाकिस्तान के पक्ष में और भारत के खिलाफ खड़ा हुआ चीन चीन की ओर से भारत को धमकी दी गई है, वह चीन से भारत जाने वाले ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक सकता है। यह एक कूटनीतिक चेतावनी नहीं, बल्कि इसे चीन के रणनीतिक हथियार के रूप में देखा जाना चाहिये। यह एक बेहद गंभीर मामला है। ब्रह्मपुत्र का पानी उत्तर-पूर्व भारत के करोड़ों लोगों की जीवन रेखा है। जल जैसे प्राकृतिक संसाधन को राजनीतिक दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करना न केवल अमानवीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संधियों और पड़ोसी देशों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का उल्लंघन है। भारत ने पाकिस्तान का पानी रोकने का जो निर्णय लिया है उसके बदले में चीन ने पाकिस्तान के समर्थन में भारत के खिलाफ यह धमकी दी है, वह भी ब्रह्मपुत्र का पानी रोक देगा। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने जिस तरह पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया है, वह भारत के लिए दोहरी चुनौती बन चुका है। एक ओर लद्दाख और अरुणाचल की सीमा पर चीन की आक्रामकता, दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक समर्थन देकर भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष मोर्चा खोलना, भारत के खिलाफ चीन की एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। ब्रह्मपुत्र का जल प्रवाह रोकने की धमकी उसी रणनीति का विस्तार है, जिसमें चीन जल को भी जियो-पॉलिटिकल हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। भारत को चाहिए वह इस स्थिति से सतर्क होकर बहुपक्षीय मंचों पर चीन की इस आक्रामक नीति को उजागर करे। जलवायु परिवर्तन और सीमा-पार नदियों के जल-संविधान पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संधियों का हवाला देते हुए चीन पर कूटनीतिक दबाव बनाया जाए। भारत को अपनी उत्तर-पूर्वी जलनीति को और अधिक सुदृढ़ करना होगा, जिसमें जल संग्रहण, पुनर्चकृण और स्थानीय जल संसाधनों का दोहन शामिल हो। यह भी आवश्यक है, भारत अपने पारंपरिक सहयोगियों जापान, अमेरिका और एसियान देशों के साथ मिलकर एक व्यापक रणनीति बनाए। जो केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित न हो, वरन जल, साइबर और तकनीकी मोर्चों पर भी एक जुटता के साथ तैयार रहें। ब्रह्मपुत्र कोई सामरिक हथियार नहीं, बल्कि प्रकृतिजन्य, सभी जीवों और मानव के लिए प्रकृति का उपहार है। यदि चीन उसे हथियार बनाना चाहता है तो यह केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचे एशिया के लिए खतरे की घंटी है। भारत को संयम के साथ ठोस नीति और दृढ़ता से जवाब देना होगा। ताकि जल को हथियार बनाने की इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके। चीन को यह मौका भारत ने ही दिया है। इस दिशा में भारत को भी गंभीरता के साथ चिंतन मनन करना चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ भारत में जो लड़ाई शुरू की थी उसमें जल संधि को ना मानते हुए पाकिस्तान का पानी रोकने की पहल भारत ने की थी, परिणाम स्वरुप चीन जैसे देशों को भी भारत के ही निर्णय को आधार मानकर भारत को घेरने की कोशिश की जा रही है। भारत सरकार ने इसकी गंभीरता पर ध्यान ना देते हुए जो निर्णय लिया है वह भी एक तरह से अमानवीय है। कूटनीति और विदेश नीति के मामले में भारत जिस तरीके से बिना सोचे-समझे निर्णय ले रहा है, जिस तरह की धमकियां पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया और भारत के राजनेताओं द्वारा अन्य देशों के बारे में समय-समय पर दी जा रही हैं, उसके कारण भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ भी संबंध खराब हुए हैं। चीन ने इसका लाभ उठाया है। भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ चीन ने व्यापारिक और सामरिक संबंधों को बढ़ाया है। भारत के लिए चुनौतियां बढ़ाई हैं। चीन भारत के कब्जे वाले पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार अशांति फैलाने का काम कर रहा है। चीन ने पिछले वर्षों में सीमावर्ती राज्यों में बड़े पैमाने पर अपनी गतिविधियां बढाकर भारत के लिए कड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत के मीडिया ने तो गजब ही कर दिया है। झूठी और धमकी वाली खबरों को दिखाकर भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर करने का काम किया है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यम के इस युग में, जिस तरह से भारतीय मीडिया काल्पनिक खबरों को फैलाने का काम करता है, उसको लेकर पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध पिछले एक दशक में बड़ी तेजी के साथ खराब हुए हैं। भारत को बार-बार विश्व- गुरु के रूप में स्थापित करने और भारत की तीसरी और चौथी अर्थव्यवस्था को लेकर जो दावे भारत सरकार के हवाले से भारतीय मीडिया द्वारा किए जाते हैं, उसके कारण दुनिया के बड़े देशों के साथ भारत ने अपनी प्रतिस्पर्धा को बढ़ा लिया है। अधिकांश दावे वास्तविकता से बहुत दूर हैं। चीन ने इसका लाभ उठाया, बिना कुछ बोले और बिना कुछ हल्ला किये, भारत के साथ अपने व्यापार को बढ़ाते हुए, चीन ने भारत को चारों तरफ से घेरने के लिए पड़ोसी देशों का इस्तेमाल किया। उन्हें बड़े पैमाने पर कर्ज दिया। उनके साथ इस तरीके के समझौते किए, जिससे चीन की सामरिक शक्ति कई गुना बढ़ गई। चीन के राष्ट्रपति को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झूला झुलाया था। उन्हें अपना सबसे अच्छा मित्र बताया था। उनके मित्र ने उन्हें ऐसे समय पर धोखा दिया, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। चीन की इस रणनीति के कारण भारत को कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। ऐसा लग रहा है कि आस-पास हमने दुश्मनों की भीड़ इकट्ठी कर ली है। भारत सरकार को अपनी विदेश नीति, पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते, पूर्वोत्तर राज्यों में शांति स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण काम करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। सरकार को विदेश नीति और कूटनीति के जानकारों को अपने साथ आगे लाना होगा। चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया है, भारत के खिलाफ जिस तरह की कार्यवाही पिछले कुछ दिनों में चीन द्वारा की गई है। उससे भारत के व्यापारिक एवं सामरिक हितों को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है। भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार कर तुरंत निर्णय लेने होंगे। भारत का जो मीडिया है, उसके लिए जवाबदेही तय करनी होगी। अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करते हुए प्रचार-प्रसार से बचाना होगा। यदि ऐसा समय रहते नहीं हुआ, तो भारत को आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होगा।

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे: गांव की बाल्कनी से उड़ती स्मृतियाँ

- प्रियंका सौरभ

शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है – एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया। जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी – भूरे और सफेद रंग की, फुतीर्ली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई – धौर्रईया! हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। ये गौरैया नहीं, धौर्रईया है, मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया – बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ – ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों – प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौर्रईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे। इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी।

आज का राशिफल

राशि	राशिफल	राशि	राशिफल
मेष	आज बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें, इससे आपका करियर सही दिशा में जा सकता है।	तुला	आज आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी।
वृषभ	आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे।	वृश्चिक	मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक बिजनेस में मुनाफे के कई मौके आएंगे।
मिथुन	दिन उत्साह से भरा दिन रहेगा। आज आपको करियर से जुड़ी ऐसी खबर मिल सकती है।	धनु	आपका समय अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें।
कर्क	आज दिन स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा।	मकर	किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी।
सिंह	आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो, तो फौरन आगे बढ़ें।	कुंभ	ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।
कन्या	दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। कार्यस्थल पर दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा।	मीन	आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है।

विशेष

टेरिफ पर कोर्ट का सीज फायर

भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टेरिफ बार पर अमेरिका की कोर्ट सीज फायर कराएगी। यह तो डोनाल्ड ट्रंप ने कभी सोचा नहीं था। एक ही झटके में एक ही दिन जहां मस्क ने उनका साथ छोड़ा। उन्होंने जिस अंदाज में ट्रंप को टाटा बाय-बाय किया है। उसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।उसी दिन कोर्ट ने टेरिफ पर डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय पर रोक लगा दी। टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रंप सारी दुनिया में बंदरों की तरह उछल कूद मचा रहे थे। कोर्ट के आदेश से अब वह शांत होकर बैठ गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है,कि अब करें तो क्या करें।अभी वह विश्व विजेता की तरह घूम घूम कर अपना बिगुल बजा रहे थे।

सिंदूर का रंग फीका पड़ा

भारत और पाकिस्तान के बीच में आतंकियों को समाप्त करने के लिए जो सैनिक गतिविधि भारत ने शुरू की थी। कुछ ही घंटे में भारत की सेना ने 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट कर सैकड़ो आतंकवादियों को परलोक भेज दिया। कई हवाई अड्डे पाकिस्तान के नष्ट कर दिए। जब भारतीय सेना फुल फॉर्म पर थी। उस समय भारत सरकार द्वारा सीजफायर की घोषणा की गई।लग रहा था, भारत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को जीत लेगा। 1971 का इतिहास मोदी जी दोहराएंगे। अब यही सीजफायर मोदी के गले में अटक गया है। ना निगलते बन रहा है, ना उगलते बन रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

आज का इतिहास 2 जून 1882 इटली के राष्ट्रवादी नेता जिसेपी गैरिबाल्डी का निधन. 1924 अमेरिकी कांग्रेस ने अमेरिकी इंडियनों को नागरिकता प्रदान की. 1953 ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की ताजापोशी हुई. 1961 दो बार पुलित्जर पुरस्कार विजेता अमरीकी अंतरिक्ष लेखक जार्ज एस. काफमैन का निधन हुआ. 1966 अमेरिकी अंतरिक्ष यान सर्वेयर चांद पर उतरा. 1969 दक्षिण चीन सागर में आस्ट्रेलियाई विमान वाहक पोत की दुर्घटना में 74 नाविक मारे गये. 1979 पोप जोन पाल द्वितीय ने पहली बार किसी कम्युनिस्ट देश पोलैंड की यात्रा की. 1985 यूरोपीय फुटबाल एसोसिएशनों के संघ ने इंग्लैंड के फुटबाल क्लबों पर यूरोपीय स्पधाओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया. 1988 फिल्म अभिनेता राजकपूर का निधन हुआ . 1999 प्रधानमंत्री ने युद्धपोत आई. एन. एस. मैसूर को राष्ट्र को समर्पित किया.

दैनिक पंचांग

2 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

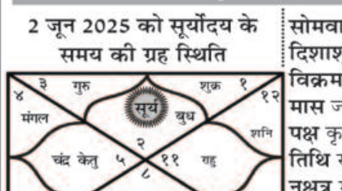

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.09 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.23 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.39 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.01 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.16 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.32 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.37 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.24 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मीन	00.57 बजे से
		मेष	02.27 बजे से
		वृष	04.07 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 153 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 20.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 22.56 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 08.20 बजे को समाप्त।
करण गर 08.12 बजे तदनन्तर वणिज 20.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872363
जूलियन दिन 2460828.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बेर में फलन

बेर की फलत नई शाखाओं पर पत्तियों के कक्ष में होती है। बेर के पौधों में नई शाखाएं जून-जुलाई में निकलती हैं जिस पर दूसरी तथा तीसरी सहायक शाखायें निकलती हैं. कुछ फल मुख्य शाखा के अगले भाग पर लगते हैं जबकि अधिकतर फल इसकी दूसरी एवं तीसरी सहायक शाखाओं पर लगते हैं। अतएव इस प्रकार की स्वस्थ शाखाओं का यदि पर्याप्त संख्या में विकास हो सके तो फलत अच्छी होगी तथा फल का गुण भी अच्छा होगा। बेर में इस प्रकार की शाखायें कटाई-छंटाई करके प्राप्त की जा सकती है।

कुशलता से करें बेरों की छंटाई

कटाई-छंटाई का समय -बेर के पौधों में नई शाखायें जून-जुलाई में निकलती हैं। जिन पर सितम्बर-अक्टूबर में फूल एवं फल आते हैं। फल की तुड़ाई फरवरी-मार्च में की जाती है। इसके बाद बेर का पौधा मई में अपनी पत्तियाँ गिराकर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। बेर की कटाई-छंटाई का यही उचित समय है।

बेर के नये पौधों की कटाई-छंटाई विधि - नये लगाये गये पौधों को उचित आकार देने के लिये कटाई-छंटाई करना बहुत ही आवश्यक है। इसका उचित समय मई का महीना है। पौधा लगने के बाद प्रथम तीन वर्षों तक कटाई-छंटाई उसको उचित आकार देने के लिए की जाती है। पौधे का मुख्य तना भूमि से 60-70 से.मी. तक इकहरा रखना चाहिए. इसके लिये तने के बगल में निकलती शाखाओं को बढ़ने नहीं दिया जाता है तथा निकलते ही तोड़ दिया जाता है। इसके बाद समान दूरी पर स्थित 3-4 शाखाओं को बढ़ने दिया जाता है जिन पर दूसरी तथा तीसरी सहायक शाखायें भी निकलती हैं। मई माह में इन शाखाओं के पास से मुख्य तने के ऊपरी भाग को काट दिया जाता है। बगल वाली शाखाओं को इन पर 3-4 शाखाओं को रखकर शेष को काटकर निकाल दिया जाता है। इसके साथ ही बगल वाली तथा इन पर ली गयी सहायक शाखाओं के भी अगले भाग को काट दिया जाता है।

अगले वर्ष मई में पुनः शाखाओं की पहले वर्ष की भांति कटाई-छंटाई की जाती है तथा प्रत्येक पर 3-4 शाखाओं को लेकर शेष को निकाल दिया जाता है और इनका भी ऊपरी भाग काट दिया जाता है। इस बात का ध्यान रखा जाता है कि पौधे की वृद्धि ऊपर की तरफ हो तथा नीचे की तरफ जाने वाली व एक- दूसरे के ऊपर होकर जाने वाली तथा कमजोर शाखाओं को मई माह में कटाई-छटाई के समय काटकर निकाल दिया जाता है। तीसरे वर्ष मई में यदि पौधों को आकार देने में कोई कमी रह गई हो तो तीसरे वर्ष मई में कटाई-छंटाई के समय पूरा कर दिया जाता है।

फलत वाले बेर के पौधों की कटाई-छंटाई विधि - बेर की जून-जुलाई में निकली शाखाओं की मई माह में कटाई-छटाई की जाती है। सर्वप्रथम इस शाखा पर बगल से निकली सहायक सभी शाखाओं को काटकर निकाल देना चाहिए। इसके बाद शाखा की पूरी लम्बाई का 50 प्रतिशत (आधा भाग) काट देना चाहिए। प्रयोगों द्वारा देखा गया है कि इससे कम छंटाई (1/4 भाग) करने पर शाखाएं अधिक संख्या में आती हैं और वे अपेक्षाकृत पतली भी होती हैं जिससे फल की उपज तथा गुणों में कमी आ जाती है। और वे अपेक्षाकृत पतली भी होती हैं जिससे फल की उपज तथा गुणों में कमी आ जाती है। इसके विपरीत 3/4 भाग (75%) काटकर निकाल देने से यद्यपि शाखायें अधिक स्वस्थ निकलती हैं परंतु उस पर सहायक शाखाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम होती है जिससे उपज घट जाती है परंतु फल के आकार एवं अन्य गुणों में वृद्धि हो जाती है। इस छंटाई का उपयोग पौधों को बौना रखने के लिये किया जा सकता है जिससे पौधे कम दूरी पर लगाये जा सकते हैं।

छंटाई के समय आपस में रगड़ खाने वाली शाखाओं को काटकर निकाल देना चाहिए. इसके अतिरिक्त कमजोर, सूखी, नीचे की तरफ जाने वाली तथा टूटी एवं फटी हुई शाखाओं को भी काटकर निकाल देना चाहिए. शाखाओं के कटे भाग पर ब्लाइटाक्स का पानी में लेप बनाकर लगा देना चाहिए ताकि किसी रोग का प्रकोप न हो सके। कटाई-छंटाई के बाद खाद एवं उर्वरक का प्रयोग करके सिंचाई कर देनी चाहिए. ताकि पौधे की अच्छी वृद्धि हो सके।

श्रीपद्धति से बढ़ेगा धान उत्पादन

नर्सरी की तैयारी

इस विधि से एक हेक्टेयर क्षेत्र की रोपाई के लिये 100 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है। इसके लिये 5 किलो बीज लगाना पड़ता है। नर्सरी तैयार करने के लिये पॉलीथिन या जूट बैग के स्तर को समतल जमीन पर बिछाकर बारीक मिट्टी एवं गोबर खाद को (2:1) के अनुपात में मिलाकर 4 से 5 सेमी. मोटी परत बनाये, इसके ऊपर धान के बीजों को छिड़क दें, तथा हल्की बारीक मिट्टी से ढंक दे, इसके पश्चात धान के पुआल से ढककर हजारे से सिंचाई करें, 2-3 दिन पश्चात धान में अंकुरण होते ही पुआल को हटा लें एवं नर्सरी को नम बनाये रखने के लिये आवश्यकतानुसार सिंचाई करे, जब नर्सरी 12 से 14 दिन की हो जाये तो रोपाई करें।

खेत की तैयारी

- देशी हल से 4-5 बार अच्छी जुताई कर प्रचलित विधि से हल्की मचाई कर पाटा चलाकर समतल करे. खेत की तैयारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि खेत में पानी कहीं भी भरा न रहे, इसके बाद रस्सी के सहारे 25×25 सेमी. की दूरी पर रोपाई करें।

किस्मों का चयन- हल्की भूमि के लिये कलिंगा, वनप्रभा, अंजली, तुलसी, पूर्णिमा, भारी (मटासी) भूमि के लिये आई.आर.36,64 क्रान्ति, महामाया, एम.टी.यू. 1010, 1001, स्वर्णा, मसूरी, सफरी 17,एच.एम.टी.बम्लेश्वरी आदि हैं.

रोपाई विधि

रोपड़ी पौधे इस प्रकार उखाड़ें कि उनके साथ बीज मिट्टी और जड़े बिना नुकसान के ज्यों की त्यों बाहर आ जाएं तथा इन्हें उखाड़ने के तुरन्त बाद तैयार खेत में इस प्रकार रोपित करें कि इनकी जड़ी गहराई में न जाये ऐसा करने से पौधे जल्दी लग जाते हैं। पौध से पौध की दूरी 25 से.मी. रखें।

उर्वरक प्रबंधन

10 से 12 टन गोबर अथवा कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर 260 किलो यूरिया, 800 किलो स्फुर, 67 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश देना चाहिए। उर्वरक के रूप में 250 किलो इफको 12:32:16 तथा 195 किग्रा. यूरिया की आवश्यकता होती है। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के पूर्व खेत की जुताई के समय देना चाहिए, शेष यूरिया को तीन भागों में बांटकर 25 प्रतिशत कंसा भरते समय, 50 प्रतिशत गभोट के समय, 25 प्रतिशत मात्रा खड़ी फसल में दें।

जल प्रबंधन

खेत में नमी रखे, किंतु पानी भरा हुआ न रखे प्रत्येक 2 मीटर के अंतराल पर जल निकास के लिए एक फूट गहरी नाली बनाये, खेत में प्रत्येक 12 दिनों के अंतराल पर 2-3 दिनों के लिये सूखा रखे, जिससे जड़ी एवं कंसों का विकास हो।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार के लिये 21 दिन बाद पहली निंदाई तथा 40 दिन बाद दूसरी निंदाई अवश्य करना चाहिए। जहां निंदाई की सुविधा नहीं है वहां नींदा नाशक दवा का उपयोग करे, ब्यूटाक्लोर (50 ई.सी.) को 3-4 लीटर या पेण्डीमिथालिन (30 ई.सी.) 3.3 लीटर मात्रा जमाव के 1-2 दिन के अंदर प्रयोग करें। इसके बाद 2-4 डी सोडियम साल्ट 625 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करे। इसका प्रयोग धान की रोपाई के एक सप्ताह बाद करना चाहिए।

अरहर की खास तकनीक

भूमि एवं भूमि की तैयारी

हल्की दोमट मध्यम भारी अधिक जीवाश्मयुक्त भूमि जिसमें जल निकास का उचित प्रबंध हो अरहर के लिये उपयुक्त होती है. खेत तैयारी के लिये दो बार हल चलाकर एक बार बखर या कल्टीवेटर चलाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए.

जातियों का चुनाव

कम अवधि में पकने वाली किस्में- आई.सी.पी.एल.87, पूसा 33, उपरोक्त दोनों किस्में 135-140 दिन में पककर तैयार हो जाती हैं. इनका दाना छोटा होता है. इनकी बीज 25-30 कि.ग्रा./हे. है. ये किस्में कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिये उपयोगी है. औसत उपज 171 क्विंटल/हे. तक प्राप्त होती है.

मध्यम अवधि वाली किस्में

जवाहर अरहर-4, आई.सी.पी.एल.87-119, जे.के.एम.-7, जे.के.एम.-189 उपरोक्त सभी किस्में 175-195 दिनों में पककर तैयार हो जाती हैं. तथा इनसे औसत उपज 20-25 क्विंटल/हे. तक प्राप्त होती है.

बोने का समय

मानसून के प्रारंभ होने पर शीघ्र बोनी करना चाहिये (20-30 जून तक).

अंतरवर्तीय फसल- अरहर+ज्वार (1:1 या 2:1), अरहर+मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, मूंग, उड़द (2:4)

बोने की विधि - शीघ्र पकने वाली किस्में 45×15 से.मी.

मध्य समय में पकने वाली किस्में 60×20 से.मी.

देरी से पकने वाली किस्में 75×125 से.मी. पर 3.5 से.मी. की गहराई पर बीज को बोना चाहिए.

निंदाई, गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण - बोने के तुरन्त बाद तथा अंकुरण से पूर्व एलाक्लोर या पेण्डीमिथालिन 1.0 ली. सक्रिय तत्व/हेक्टेयर 500 ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करने से खरपतवार नियंत्रित हो जाते हैं. अरहर की फसल में दो निंदाई हाथ द्वारा 25-30 दिन तथा 40-50 दिन पर फसल के लिये लाभदायक रहता है.

देर से पकने वाली किस्में

ग्वालियर-3, एम.ए.-3, ये दोनों जातियां 250-255 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा इनसे 20-25 क्विंटल/हे. तक उत्पादन प्राप्त होता है.

बीज की मात्रा एवं बीजोपचारः- 20-25 कि.ग्रा./हे. उन्नत बीज पर्याप्त होता है बीज को बोने से पूर्व फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/कि.ग्रा. बीज के हिसाब से उपयोग करें. इसके बाद राइज़ोबियम तथा पी.एस.बी. कल्चर से 5-5 ग्रा./कि.ग्रा. बीज उपचारित करके बोनी करना चाहिए.खाद एवं उर्वरक- 43 किलो यूरिया, 375 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से डालें

सिंचाई

हल्की भूमि या फसल की मांग के अनुसार फूल के पूर्व एवं उसके 20-25 दिन बाद दूसरी सिंचाई करने से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है.

फसल कटाई

जब 95 प्रतिशत फलियां पक जायें तब कटाई करना चाहिए. बाद में सुखाकर गहाई कर लेना चाहिए.

उपज

उपरोक्त कृषि कार्यमाला अपनाकर अरहर की खेती करके किसान भाई किस्मों के अनुसार 18-15 क्विं./हे. तक उत्पादन प्राप्त कर सकते है.

अडानी ग्रुप की यह कंपनी 4300 करोड़ जुटाने की तैयारी में

अभी महाराष्ट्र से मिला है 1600 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस 4300 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी यह पैसा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या फिर अन्य किसी तरीके से जुटाने का प्रयास करेगी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन्स ने शनिवार को एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि फंड जुटाने की प्रक्रिया को एक या उससे अधिक बार में पूरा किया जाएगा। फिलहाल अभी कंपनी को शेयरहोल्डर्स के अलावा अन्य अप्रूवल लेने होंगे।

इस वित्त वर्ष में है कंपनी का बड़ा प्लान– इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस इस वित्त वर्ष 16000 करोड़ रुपये से 18000 रुपये खर्च करने की तैयारी में है। बीते वित्त वर्ष कंपनी का कैपिटल एक्सपेंडिचर 11444 करोड़ रुपये था। कंपनी 12 हजार करोड़ रुपये 13 हजार करोड़ रुपये ट्रांसमिशन, 4000 करोड़ रुपये स्मार्ट मीटर्स और 1600 करोड़ रुपये डिस्ट्रीब्यूशन पर खर्च करने की योजना बनाई है।

कंपनी का ऑर्डर बुक 61600 करोड़ रुपये–बीते हफ्ते अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस को 1600 करोड़ रुपये का महाराष्ट्र से मिला था। कंपनी यह काम अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के तहत मिला है। इस नए ऑर्डर के हाथ लगने के बाद अडानी ग्रुप के पास 61,600 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक हो चुका है। शुक्रवार को अडानी एनर्जी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई थी। कंपनी का शेयर 1 प्रतिशत से अधिक टूटने के बाद 867.65 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले 3 महीने में अडानी ग्रुप की यह कंपनी 33 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रही है। हालांकि, इस तेजी के बाद भी एक साल में यह स्टॉक 20 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न ही दे पाया है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1347.90 रुपये और 52 वीक लो लेवल 588.25 रुपये है।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट से मिला पॉजिटिव रिस्पॉन्स, अब भी दांव लगाने के लिए 2 दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। 3बी फिल्म्स आईपीओ (3बी फिल्म्स आईपीओ 95) बीते हफ्ते खुल चुका है। कंपनी के आईपीओ पर निवेशक 30 मई से 3 जून तक दांव लगा पाएंगे। 3बी फिल्म्स आईपीओ 95 का इश्यू प्राइस 33.75 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 35.52 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 31.98 लाख शेयर जारी किए जाएंगे।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ– पहले दिन ही आईपीओ 86 प्रतिशत भर गया था। रिटेल कैटगरी में 3बी फिल्म्स आईपीओ 95 प्रतिशत

सब्सक्रिप्शन प्राप्त करने में सफल रहा था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में अभी कंपनी के आईपीओ को कोई सब्सक्रिप्शन नहीं मिला है। जबकि एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 77 प्रतिशत का सब्सक्रिप्शन पहले दिन मिला था।

क्या है प्राइस बैंड– इस इश्यू का प्राइस बैंड 50 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को 1,50,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, कंपनी की तरफ से आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में की जाएगी।

क्या है जीएमपी– 3बी फिल्म्स एसएमई आईपीओ का ग्रे मार्केट में 3 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह अबतक का सबसे अधिक जीएमपी है।

भारत 1, चीन 2, वियतनाम 3... , ड्रैगन की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में अब दुनिया का सबसे सस्ता देश है। यह चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ चुका है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से एक सूची सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसमें भारत पहले नंबर पर है। उसके बाद चीन और वियतनाम हैं। सूची में थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया और श्रीलंका भी शामिल हैं। यह मूल्यांकन यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट की ओर से 89 देशों के बीच किया गया है।

चीन लंबे समय से दुनिया का फैक्ट्री फ्लोर रहा है। इसकी वजह उसकी विशाल और अपेक्षाकृत सस्ती श्रम शक्ति रही है। वियतनाम भी हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण कम लागत वाला मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में उभरा है। भारत का मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में सबसे सस्ता देश होना चीन की टेंशन बढ़ाने वाला है। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक आकर्षक मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन बना देगा। कंपनियां अपनी उत्पादन इकाइयां भारत में स्थापित करने या यहां से सोर्सिंग करने के लिए आकर्षित होंगी। इससे देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में दुनिया का सबसे सस्ता देश होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके दूरगामी सकारात्मक आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, इस रफ्तार को बनाए रखने और भारत को वास्तव में एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनाने के लिए बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और व्यापार करने में आसानी जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

भारत दुनिया में नंबर वन– यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मैन्युफैक्चरिंग की लागत दुनियाभर में सबसे कम है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनिया में सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले 89 देशों की सूची जारी की है। चीन और वियतनाम भारत से पीछे दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले देशों की लिस्ट में भारत दुनिया में नंबर वन है। टॉप-10 लिस्ट में भारत, चीन, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं। यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट ने 89 देशों का मूल्यांकन किया है। सबसे सस्ती मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले टॉप-10 देशों की लिस्ट में थाईलैंड चौथे और फिलीपींस पांचवें स्थान पर है। इस लिस्ट में बांग्लादेश (छठा), इंडोनेशिया (सातवां), कंबोडिया (आठवां), मलेशिया (नौवां) और श्रीलंका (दसवां) स्थान पर है। लिस्ट में इसके बाद घाना, केन्या, मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, कोलंबिया, एल साल्वाडोर, चिली, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ट्यूनीशिया और अल्जीरिया का स्थान है।

उपभोक्ताओं पर अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में सामने आया तथ्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध सट्टेबाजी एवं गैंबलिंग मार्केट से किशोरों एवं युवाओं जैसे संवेदनशील वर्ग पर उल्लेखनीय खतरा मंडरा रहा है। ग्राहकों की संप्रभुता पर केंद्रित पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इन अवैध प्लेटफॉर्म पर सालाना करीब 100 अरब डॉलर का डिपोजिट होता है। रिपोर्ट में इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। इससे यह सामने आया है कि अवैध ऑनलाइन गैंबलिंग से उपभोक्ताओं की सुरक्षा, वित्तीय अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा है।

समस्या की गंभीरता को रिपोर्ट के इस तथ्य से समझा जा सकता है कि अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के बीच 40 मिरर साइट्स के माध्यम से टॉप 15 अवैध गैंबलिंग प्लेटफॉर्म्स पर 5.4 अरब से ज्यादा विजिट्स देखने को मिलीं। 1एक्सबेट, पेरीमैच, स्टेक, फेयरप्ले और बैटरीबेट जैसे टॉप प्लेटफॉर्म पर लगातार बड़ा ट्रैफिक एवं यूजर्स की पहुंच देखने को मिल रही है। मार्च, 2025 में पेरीमैच के ट्रैफिक शेयर ने अमेजन डॉट इन, विकीपीडिया डॉट ओआरजी, गूगल डॉट को डॉट इन, एक्स डॉट कॉम, हॉटस्टार डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम, लिंक्डइन डॉट कॉम, कोरा डॉट कॉम और रेडिट डॉट कॉम जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म्स को भी पीछे छोड़ दिया था।

आपको कोई नहीं बताएगा...वेदांता के चेयरमैन ने किया युवा स्टार्टअप संस्थापकों को आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। माइनिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता के संस्थापक और एक्जीक्यूटिव चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर युवा स्टार्टअप संस्थापकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें शेयर की हैं। उन्होंने आगाह किया कि कारोबार को सफल बनाने का रास्ता कठिन होता है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पोस्ट में इस बात पर जोर दिया कि शुरुआती वर्षों में स्टार्टअप संस्थापकों के लिए जीवन अकेला हो सकता है। दबाव जैसा महसूस हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थापक की ओर से लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे ले जाने वाला हो सकता है। अग्रवाल ने युवा संस्थापकों को अपने काम में आगे बढ़ते रहने का सुझाव दिया। अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था। उनकी मां की शॉल। यह हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

अनिल अग्रवाल ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, प्रिय युवा संस्थापकों, यहां कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको कोई आगाह नहीं करता... आपकी ओर से चुना गया सफर यह अकेला कर देता है। शुरुआती साल प्रेशर कुकर में रहने जैसा महसूस होता है। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के अध्यक्ष ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि एक संस्थापक का लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे करने वाला हो सकता है।

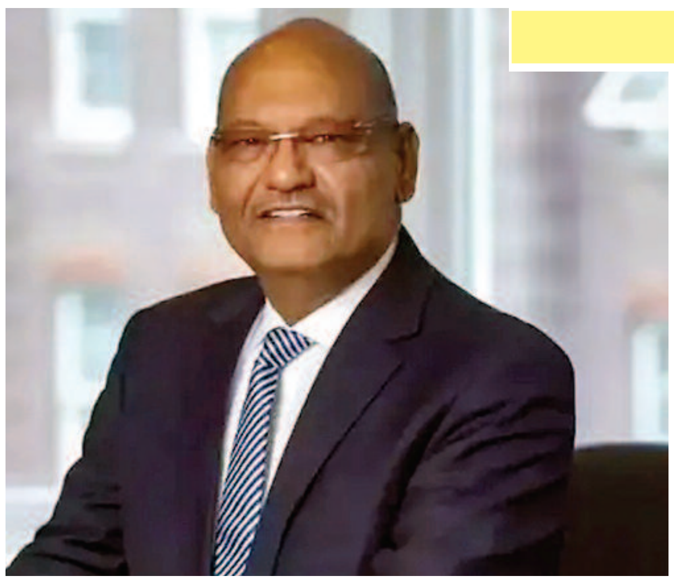

शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में कहा, हर दिन, आप ऐसे निर्णय लेते हैं जो आपके सपने को आगे बढ़ा सकते हैं या उसे एक कदम पीछे ले जा सकते हैं। यह शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है – जैसे अंधेरे में निर्माण करना... अग्रवाल ने यह भी कहा कि लोग संस्थापकों को नहीं समझ पाएंगे। इसलिए नहीं कि वे परवाह नहीं करते, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कभी किसी अदृश्य चीज पर विश्वास नहीं किया। अग्रवाल ने कहा, कहने को साथ अपने एक दुनिया चलती है, लेकिन सच यह है कि आपके आसपास के ज्यादा लोग उसे समझ नहीं पाएंगे।

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई का दिया उदाहरण

अनिल अग्रवाल ने एक उदाहरण भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर भीड़ नहीं होती। पर्वतारोही जितना ऊंचे चढ़ता जाता है, अंत में उतने ही कम लोग बचते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि पर्वतारोही खो गया है, इसका सिर्फ इतना मतलब है कि वे एक दुर्लभ रास्ते पर हैं। अग्रवाल ने अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए यह भी कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था जैसे कि उनकी मां की शॉल) जो हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

बकवास बंद करो और चुप रहो... इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ ने हॉटमेल के संस्थापक की पब्लिक में धुल दी

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई और हॉटमेल के संस्थापक सबीर भाटिया के बीच भारत की आर्थिक तरक्की को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई है। भाटिया ने सवाल उठाया कि क्या भारत की जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि का फायदा आम नागरिकों तक पहुंचा है। इसके जवाब में पई ने भाटिया की आलोचना की। उन पर भारत की तरक्की में योगदान न देने का आरोप लगाया। वहीं, भाटिया ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि वह भारत के सभी नागरिकों के जीवन में सुधार देखना चाहते हैं, खासकर निचले स्तर पर। यह विवाद भारत की इकनॉमिक ग्रोथ और इसके डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर व्यापक बहस के बीच सामने आया है। जहां कुछ लोग भारत की प्रगति का जश्न मना रहे हैं। वहीं, अन्य असमानता और अन्य चुनौतियों की ओर ध्यान दिला रहे हैं। बीर भाटिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने भारतीय झुग्गियों और प्रदूषित नदियों की निराशाजनक तस्वीरें दिखाई। सवाल पूछा- हमने जीडीपी में जापान को पीछे छोड़ दिया... लेकिन क्या आप इसे अपनी जेब में महसूस कर सकते हैं बिना डिस्ट्रीब्यूशन के विकास सिर्फ महंगाई का छलावा है।

बुरी तरह से लगाई लताड़

पई ने तुरंत जवाब दिया और भाटिया पर तीखा हमला किया। उन्होंने भाटिया के मूल वीडियो को सीधे कोट और रीपोस्ट करते हुए लिखा, यार सबीर तुम आर्थिक शरणार्थी हो, बहुत पहले ही भारत छोड़ चुके हो। भारत की तरक्की में तुम्हारी कोई भूमिका नहीं थी। इसलिए बकवास करना बंद करो और चुप रहो। हम भारत को आगे बढ़ाएंगे और अपना भविष्य बनाएंगे। हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। तुम जहरीले और नफरत फैलाने वाले हो। भाटिया 1990 के दशक में हॉटमेल की स्थापना के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी टिप्पणियों का बचाव किया।

अब विदेशी निवेशक भी मान रहे भारत का लोहा

डर खत्म हुआ तो शेयर मार्केट में लगा दिया ढेर सारा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों (को फिर से भारतीय बाजार से उम्मीदें दिखाई देने लगी हैं। वे एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। मई के महीने में उन्होंने खूब खरीदारी की है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने 18,082 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफएलएलएस ने भारतीय बाजार में खरीदारी की है। अप्रैल में भी विदेशी निवेशकों ने 4,243 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इससे पहले, साल की शुरुआत में उन्होंने भारतीय बाजार से खूब पैसा निकाला था। लेकिन अब उनका रुख बदल गया है। यह बदलाव इस तिमाही में भारतीय बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

तीन महीने लगातार बेचे शेयर– जनवरी से मार्च 2025 तक विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार में शेयर बेच रहे थे। जनवरी में तो उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले थे। उस समय डॉलर बहुत मजबूत हो गया था और ब्याज दरें भी बढ़ रही थीं। इस वजह से एफएलएलएस चिंतित थे और उन्होंने

भारतीय बाजार से पैसा निकाल लिया। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। दुनिया भर में महंगाई कम हो रही है और अमेरिका में ब्याज दरें भी स्थिर हो गई हैं। इसलिए विदेशी निवेशकों का डर कम हो गया है और वे फिर से भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं।

यों माना भारत का लोहा– जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार का कहना है कि कुछ ग्लोबल कारण हैं जिनकी वजह से विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगा रहे हैं। उनके अनुसार डॉलर कमजोर हो रहा है, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं धीमी हो रही हैं। वहीं भारत में जीडीपी बढ़ रही है, महंगाई कम हो रही है और ब्याज दरें भी घट रही हैं।

इन सब कारणों से विदेशी निवेशक मार्केट में पैसा लगा रहे हैं। विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में फिर से पैसा लगाना एक अच्छा संकेत है। इससे पता चलता है कि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा है और वे भारत का लोहा मान रहे हैं।

ऐप्पल बेंगलुरु में खोलेगी स्टोर, एक साल का किराया 2.09 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐप्पल भारत में अपने कारोबार को बढ़ा रहा है। खबर है कि ऐप्पल ने उत्तरी बेंगलुरु के फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया में एक स्टोर किराए पर लिया है। यह स्टोर करीब 8,000 वर्ग फुट में फैला है। यह बेंगलुरु में ऐप्पल का पहला और भारत में तीसरा रिटेल स्टोर होगा। इससे पहले मुंबई और दिल्ली में ऐप्पल के बड़े स्टोर खुल चुके हैं। ऐप्पल के सीईओ टिम कुक ने पहले ही बता दिया था कि आईफोन बनाने वाली यह कंपनी भारत में अपने स्टोर की संख्या बढ़ाएगी।

रियल एस्टेट की जानकारी देने वाली कंपनी प्रॉपस्टैक के अनुसार, ऐप्पल ने 10 साल के लिए यह जगह किराए पर ली है। इसके लिए कंपनी हर साल 2.09 करोड़ रुपये किराया देगी। इतनी रकम में आप नोएडा में दो फ्लैट खरीद सकते हैं। एग्रीमेंट के अनुसार लीज 8 नवंबर 2024 से शुरू हो गई है। लेकिन, किराए का भुगतान 8 अगस्त 2025 से शुरू होगा। हर तीन साल में किराया और सिक्योरिटी डिपॉजिट 15 प्रतिशत बढ़ जाएगा। इस प्रॉपर्टी के मालिक स्पार्कल वन मॉल डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं।

कमाई का हिस्सा भी देना होगा– किराए के साथ-साथ ऐप्पल को अपनी कमाई का कुछ हिस्सा भी देना होगा। पहले 36 महीनों के लिए यह हिस्सा 2 प्रतिशत होगा। उसके बाद यह 2.5 प्रतिशत हो जाएगा। लेकिन, कंपनी को रेवेन्यू शेयर के तौर पर इतना ही पैसा देना होगा जो सालाना किराए के दोगुने से ज्यादा न हो। ऐप्पल भारत में अपने रिटेल कारोबार को और मजबूत करना चाहती है। इसलिए, वह नए स्टोर खोल रही है। साथ ही, ऐप्पल की मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर कंपनी फॉक्सकॉन भी बेंगलुरु में एक नई फैक्ट्री लगाने की तैयारी कर रही है।

ऐप्पल इंडिया ने 4.33 करोड़ रुपये का डिपॉजिट भी दिया है। इस डील में दो लॉक-इन पीरियड भी हैं। पहला 31 दिसंबर 2027 तक और दूसरा 31 दिसंबर 2028 तक है। लॉक-इन पीरियड का मतलब है कि इस दौरान कंपनी लीज को खत्म नहीं कर सकती है।

एफपीआई का घरेलू बाजार पर भरोसा कायम, मई में किया 19860 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बरकरार है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत डोमेस्टिक फंडामेंटल के चलते एफपीआई ने

मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। बता दें, मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

जियोजीत इन्वेस्टमेंट के चीफ इंवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट वी के विजयकुमार ने कहा, आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का नेट इंवेस्टमेंट किया है। इस इंवेस्टमेंट के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपये रह गया है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है।

इस वजह से एफपीआई भारत की तरफ मुड़े– मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर – मैनेजर (रिसर्च) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी महंगाई दर में कमी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने भारत जैसे उभरते बाजारों को और अधिक आकर्षक बना दिया है।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद

आरसीबी जीतेगी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल-2025 में गुरुवार को क्वालीफायर-1 खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ आरसीबी 9 साल बाद आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी को इस साल अपना पहला खिताब जीतने के लिए सपोर्ट किया है। इस साल आरसीबी शानदार फॉर्म में है। फ्रेंचाइजी ने इस सीजन अब तक सिर्फ चार मैच गंवाए हैं। उन्होंने लीग स्टेज का समापन 19 प्वाइंट्स के साथ किया। टीम प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर रही। विराट कोहली और फिल साल्ट क्रमशः 614 और 387 रनों के साथ फ्रेंचाइजी के लिए रन बनाने में सबसे आगे हैं। इस जोड़ी को कप्तान रजत पाटीदार, जितेश शर्मा और क्रुणाल पांड्या सहित मिडल ऑर्डर के बल्लेबाजों का सपोर्ट मिला है। गेंदबाजी के मोर्चे पर जोश हेजलवुड 11 मैचों में 21 विकेट लेकर टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जबकि क्रुणाल पांड्या (15 विकेट), भुवनेश्वर कुमार (15 विकेट) और यश दयाल (12 विकेट) भी टीम को संतुलित बनाने में योगदान दे रहे हैं। डिविलियर्स ने मुंबई में पत्रकारों

से कहा मैं बहुत खुश हूं कि आरसीबी फाइनल में है। हमने कल रात एमआई को जीतते हुए देखा। इसलिए यह पंजाब और एमआई के बीच एक बहुत अच्छा क्वालीफायर, नॉकआउट मैच भी होगा। उस मैच का बेसब्री से इंतजार है, और जो भी इसे जीतेगा वह फाइनल में आरसीबी से खेलेगा। इसलिए मैं फाइनल का बहुत बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद है कि यह साल आरसीबी के लिए शानदार रहेगा। दिग्गज बल्लेबाज ने पंजाब किंग्स को आरसीबी के खिलाफ फाइनल खेलने का समर्थन किया, लेकिन शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुंबई इंडियंस के दबदबे को देखने के बाद वे संशय में हैं। उन्होंने कहा, मैंने काफी समय पहले, लगभग एक महीने पहले कहा था कि पंजाब और आरसीबी फाइनल में होंगे। एमआई अभी बहुत मजबूत दिख रही है, इसलिए ऐसा लगता है कि मेरे कहने के विपरीत हालात हैं, लेकिन यह अभी भी क्रिकेट है। आप कभी नहीं जानते। यह एक नॉकआउट मैच है। अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए एक या दो बेहतरीन प्रदर्शन की जरूरत होती है। इसलिए मुझे लगता है कि पंजाब की टीम फाइनल में होगी, लेकिन कल रात का खेल देखने के बाद मेरे मन में थोड़ा संदेह है। पंजाब किंग्स अब रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर 2 मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

नार्वे चेसः

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी, वेई से हारे; एरिगैसी ने नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग

ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है। धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में

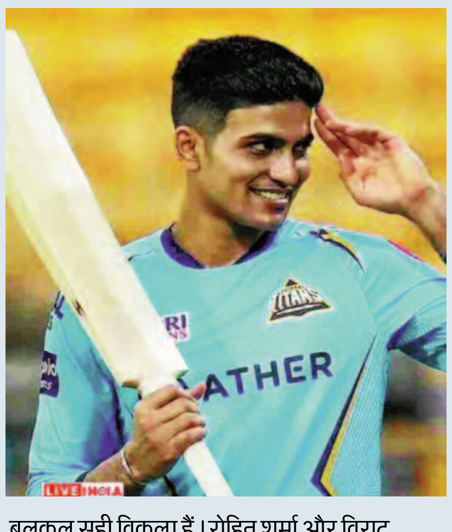

बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में

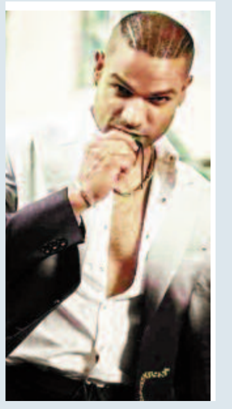

अच्छा प्रदर्शन किया है। वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते, ज्वेरेव ने फ्लावियो को सीधे सेटों में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चौथे दौर में जगह बना ली है।

जोकोविच ने शनिवार को खेले गए तीसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी फिलिप मिजोलिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। सर्बिया के जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। अब, 38 साल के जोकोविच का लक्ष्य अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतकर इतिहास रचना है। उनका अगला मुकाबला ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी से होगा। सिनर की किसी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत सिनर ने तीसरे दौर में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को 1 घंटे 45 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराया। सिनर की यह किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत है। यह टूर्नामेंट सिनर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद दूसरी प्रतियोगिता है। इससे पहले, उन्होंने इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचकर वापसी की थी। ज्वेरेव लगातार 8वीं बार

अंतिम-16 में जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेटों में 6-2, 7-6, 6-1 से हराया। यह लगातार आठवां साल है जब ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के अंतिम-16 में पहुंचे हैं। अब ज्वेरेव का सामना चौथे दौर में डच खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपूर से होगा। पिछले साल के फाइनलिस्ट ज्वेरेव का लक्ष्य इस बार अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना है।

यूईएफए चैंपियंस लीग

पेरिस में आगजनी और पुलिस पर हमला

- **पीएसजी के पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतने पर फैंस ने मचाया उत्पात**

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी की जीत के बाद पेरिस में फैंस ने आपा खो दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, फैंस ने जमकर बवाल किया। सड़कों पर आतिशबाजी की और गाड़ियों में आग लगाई। पुलिस फिलहाल शांति प्रयास में जुटी हुई है। फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। शनिवार देर रात खेले गए मुकाबले में पीएसजी ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को 5-0 से रौंद दिया। यह पीएसजी का पहला चैंपियंस लीग खिताब है और इसके बाद पेरिस में जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर आ गए। पेरिस में जश्न मनाने को लेकर खूब बवाल हुआ और पुलिस को मामले को शांत कराना पड़ा। इसके कई वीडियोज भी सामने आए हैं। स्थानीय

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैंस ने पुलिस पर हमला भी किया। गाड़ियों में भी आग लगाई और जमकर बवाल काटा। जर्मनी के म्यूनिख के एलियांज अरेना में खेले गए फाइनल में पीएसजी ने एकतरफा अंदाज में मैच जीता। टीम ने 12वें मिनट में अशरफ हकीमी के गोल से बढ़त बना ली थी। इसके बाद डेआईरी डूआय ने 20वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 2-0 से बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक पीएसजी 2-0 से आगे थी। इसके बाद 63वें मिनट में डेआईरी ने मैच में अपना दूसरा और पीएसजी का तीसरा गोल दागा। फिर ख्विचा क्वारातखेलिया ने 73वें मिनट और सेनी मयूलू ने 86वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 5-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मिलान के लिए वापसी करना नामुमकिन था। इस तरह पीएसजी ने अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता।

बीसीसीआई को मिलेगा नया अध्यक्ष?

- **रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में ये दिग्गज सबसे आगे**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में जल्द ही एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी 19 जुलाई 2025 को 70 साल के हो जाएंगे, जिसके बाद बीसीसीआई के नियमों के अनुसार उन्हें अपने पद से हटना होगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नियम के तहत बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों को 70 साल की उम्र के बाद अपने पद छोड़ने होते हैं. ऐसे में रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में एक दिग्गज सबसे आगे हैं. ये दिग्गज अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को रिप्लेस कर सकते हैं. अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं.

राजीव शुक्ला लंबे समय से भारतीय क्रिकेट प्रशासन से जुड़े रहे हैं. वह पहले आईपीएल के चेयरमैन रह चुके हैं और बीसीसीआई में कई अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं. एक अनुभवी राजनेता और पूर्व पत्रकार होने के नाते, शुक्ला का क्रिकेट जगत में काफी अनुभव है. क्रिकब्लॉगर ने बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए दावा किया है कि राजीव शुक्ला जुलाई में ही रोजर बिन्नी की जगह ले सकते हैं और बोर्ड के अधिकारी पहले से ही उनके नाम पर चर्चा कर रहे हैं.

साल 2022 में बने थे बीसीसीआई अध्यक्ष

बता दें, रोजर बिन्नी ने 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था. उन्होंने सौरव गांगुली को रिप्लेस किया था. वह 1983 में भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी थे. उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए थे, जिसने भारत को ऐतिहासिक खिताब दिलाने में मदद की. बिन्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम फैसले लिए, जिसमें भारतीय क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर मजबूत करना और प्रशासनिक सुधार शामिल हैं. हालांकि, उम्र सीमा के नियम के कारण अब उन्हें यह पद छोड़ना होगा. जिसके चलते राजीव शुक्ला को नया अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है.

शादी, धोखा, फिर शुरू हुई नई लव स्टोरी...

भारतीय खिलाड़ी की उतार-चढ़ाव भरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मनाया. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे. उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे. उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे. जिसके बाद कार्तिक ने तलाक लेने का फैसला किया. 2012 में दोनों का तलाक हो गया, और निकिता ने उसी साल मुरली विजय से शादी कर ली. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे.

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को मिली जीत

शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों की जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में उरुग्वे पर शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय में यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा था। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच

के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने मैच की आक्रामक शुरुआत के साथ दबदबा कायम किया। हिना ने 10वें मिनट में खाता खोला जबकि लालरिनपुई के गोल से मध्यांतर तक भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली। उरुग्वे ने हालांकि आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की। टीम ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर स्कोर बराबर कर लिया। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट जबकि मिलाग्रोस सेगल ने 57वें मिनट गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक ही गोल करने का मौका मिला। भारत अब रविवार (भारतीय समयानुसार सोमवार) को मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगा।

लोग मुझे टीवी एक्ट्रेस कहें तो फर्क नहीं पड़ता

एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा अब तक कई स्ट्रॉन्ग और असरदार किरदार कर चुकी हैं - जैसे टीवी शो 'मर्यादा' या फिर ओटीटी पर 'द मैरिड वुमन' और 'असुर'। लेकिन उनका एक सपना है, जो आज भी अधूरा है, एक वॉरियर रानी का रोल करना। वो चाहती हैं कि उन्हें ऐसा किरदार मिले जो भले ही इतिहास में कहीं खो गया हो, लेकिन जिसकी कहानी बहुत ही दमदार हो। बातचीत में रिद्धि ने कहा, मैं ऐसी योद्धा रानी का रोल करना चाहती हूं जिसने कुछ बड़ा किया हो, लेकिन उसकी कहानी लोगों को पता ही नहीं है। सिर्फ तलवारबाजी या एक्शन ही नहीं, मैं उस किरदार की सोच, उसके इमोशंस और उसकी ताकत को भी दिखाना चाहती हूं।

मैंने किरदारों की लिस्ट भी बनाई है

रिद्धि इस सपने को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने बताया, मैंने अब तक करीब 7 ऐसे किरदारों पर रिसर्च किया है जिनका जिक्र इतिहास में है, लेकिन शायद किसी फिल्म या शो में उन्हें जगह नहीं मिली। मुझे बस एक मौका चाहिए। कोई कहे कि हां, ये रोल तेरे लिए है। मैं ऐसा रोल करना चाहती हूं जो दिल और दिमाग दोनों पर असर डाले। इतिहास की कई रानियों की कहानियां रिद्धि ने पढ़ी हैं, लेकिन रानी लक्ष्मीबाई उन्हें सबसे ज्यादा इंस्पायर करती हैं। वो सिर्फ एक योद्धा नहीं थीं, वो एक मां थीं, पत्नी थीं और लीडर भी। उनकी बहादुरी और समझदारी आज भी इंस्पायर करती है। अगर कभी उनका रोल करने का मौका मिला, तो मैं उसे पूरी शिद्दत से निभाऊंगी।

लोग मुझे टीवी एक्ट्रेस

रिद्धि ने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, लेकिन अब वो ओटीटी और फिल्मों में लगातार काम कर रही हैं। अभी भी कई लोग मुझे सिर्फ टीवी एक्ट्रेस कहते हैं, जबकि मैं अब ओटीटी और फिल्मों में भी एक्टिव हूं। लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए काम अच्छा और दमदार होना चाहिए, बस।

रिद्धि ने आगे कहा, मैंने जो भी काम किया, उसमें पूरी मेहनत और ईमानदारी लगाई।

41 की उम्र में फिर से पिता बनने जा रहा ये एक्टर, पत्नी-बेटे के साथ फोटोशूट के जरिए किया अनाउंस

टीवी के मशहूर एक्टर नकुल मेहता ने अपने फैंस के साथ बिग न्यूज शेयर की है। नकुल एक बार फिर पिता बनने वाले हैं और इस बार उन्होंने बेहद अनोखे अंदाज में इस खबर को फैंस के साथ शेयर किया।

टीवी इंडस्ट्री से एक बार फिर खुशखबरी आई है। इश्कबाज और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सुपरहिट सीरियल्स में नजर आ चुके मशहूर अभिनेता नकुल मेहता एक बार फिर पिता बनने जा रहे हैं। नकुल और उनकी पत्नी जानकी पारेख ने सोशल मीडिया पर बेहद प्यारे और क्रिएटिव अंदाज में अपने दूसरे बच्चे के आने की खबर शेयर की, जिसे देखकर फैंस और सेलेब्स खुशी से झूम उठे।

नकुल-जानकी ने कराया फोटोशूट

नकुल मेहता ने पत्नी जानकी और बेटे सूफी के साथ एक खास मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें जानकी का बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। इस तस्वीर में पूरा परिवार एक-साथ नजर आ रहा है, वहीं छोटे सूफी ने अपने आने वाले भाई या बहन के लिए एक खास ड्राइंग भी शेयर की, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

नकुल ने फैंस के साथ शेयर की न्यूज

पोस्ट के कैप्शन में नकुल और जानकी ने बड़े ही खूबसूरत शब्दों में लिखा, 'सूफी अब ज्यादा जिम्मेदारी के लिए तैयार है, और हम भी।

हम आशीर्वाद स्वीकार कर रहे हैंज फिर से।' इस अनाउंसमेंट के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। दीया मिर्जा, अदिति शर्मा, निकिल तनेजा, दिशा परमार सहित कई सेलेब्रिटीज ने कपल को ढेरों शुभकामनाएं दीं।

मिस वर्ल्ड 2025:

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद ओपल सुचाता ने कही बड़ी बात, बोलीं- '72 साल बाद आया ये खिताब'

सु रविवार की रात हैदराबाद हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में मिस वर्ल्ड 2025 का शानदार समापन हुआ, जिसमें थाईलैंड मूल की ओपल सुचाता चुआंगसरी विजेता बनीं। उन्होंने बातचीत में भारत में बिताए पलों को किया याद।

31 मई 2025 को हैदराबाद के हाईटेक्स प्रदर्शनी सेंटर में 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिस पर सबकी निगाहें टिकी थीं। सभी यह जानना चाह रहे थे कि इस बार का विजेता कौन बनेगा। शनिवार की रात थाईलैंड की रहने वाली 21 वर्षीय ओपल सुचाता चुआंगसरी ने पहली बार इस खिताब को जीत अपने देश का गौरव बढ़ाया। जीत के बाद विनर ने मीडिया से बातचीत की और अपने विचार रखे। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

लंबे इंतजार के बाद मिला खिताब

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद ओपल सुचाता ने पीटीआई से की। उन्होंने कहा कि थाईलैंड में सभी लोग 72 साल से पहली बार मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने का इंतजार कर रहे थे। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें इस ताज को पहनने के बाद यकीन नहीं हो रहा था कि वह अपना पहला खिताब अपने देश लेकर जाएंगी। इसके अलावा मिस वर्ल्ड विनर ने कहा कि उन्हें खुद पर और अपनी टीम पर भी बहुत गर्व है, क्योंकि उन्हीं की वजह से वो यहां तक पहुंची हैं।

भारत को रखेंगी याद

मिस वर्ल्ड विजेता ओपल सुचाता ने आगे बातचीत में कहा, 'मैं अभी अपने दोस्तों से बात कर रही थी कि मैं इस जगह को छोड़ना नहीं चाहती। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां के लोग, यहां का खान और हर चीज शानदार है। वह यहां आकर बेहद खुश हुईं। उनकी भारत की यात्रा बेहद शानदार थी और उन्होंने यहां बहुत सारे खुशनुमा पलों को जिया, जिसे वो संजोकर रखना चाहती हैं।

महिलाओं पर कर रही काम

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, मेरा प्रोजेक्ट स्तन कैंसर जागरूकता और महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। लेकिन अब मैं मिस वर्ल्ड हूं, इसलिए मेरे पास अन्य प्रोजेक्ट्स का समर्थन करने का अधिक अवसर है। मैं चुनाव नहीं करना चाहती, अगर मुझे सभी का समर्थन करने का मौका मिले, तो मैं सभी का समर्थन करना चाहती हूं।

भारत खिताब से चूका

मिस वर्ल्ड 2025 में भारत की तरफ से शामिल रहीं नंदिनी गुप्ता ने शानदार टक्कर दिया। खिताब के बहुत करीब आकर नंदिनी अंतिम 8 की सूची में जगह बनाने से चूक गई। अभी तक भारत छह बार मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम कर चुका है।

सावी के एक साल पूरे होने पर बोलीं दिव्या खोसला, ऐसा लग रहा जैसे कल की रिलीज हुई हो

एक्ट्रेस दिव्या खोसला की फिल्म सावी को एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर एक्ट्रेस ने शनिवार को सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके करियर के लिए एक अहम मोड़ साबित हुई, जिसने उन्हें एक कलाकार के रूप में निखारा और पहचान दिलाई। फिल्म के बारे में बात करते हुए दिव्या खोसला ने कहा, सावी मेरे दिल के बहुत करीब है और हमेशा मेरे लिए खास रहेगी। ऐसा लग रहा है, जैसे कल ही हमने हर्षवर्धन राणे, अनिल कपूर और हमारे डायरेक्टर अभिनय देव के साथ इस फिल्म की शूटिंग की थी। उन्होंने आगे कहा, सावी का किरदार निभाना मुश्किल था, लेकिन मुझे पता था कि मुझे यह किरदार करना है। मैं एक ऐसी पत्नी का रोल निभाना चाहती थी, जो अपने पति के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। इस फिल्म का निर्देशन अभिनय देव ने किया था। इसमें दिव्या ने हाउसवाइफ महिला का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके पति पर गलत तरीके से उनके बॉस की हत्या का आरोप लगाया जाता है। वह अपने पति पर लगे आरोपों को हटाने के लिए लड़ाई लड़ती है। दिव्या ने आगे कहा, मेरे लिए इससे बड़ी खुशी कोई और नहीं हो सकती कि मैंने ऐसा किरदार चुना, जिससे दर्शक जुड़ सकें। इस किरदार ने फिल्म की कमाई में भी मदद की और मुझे खुशी है कि मैंने इस प्रोजेक्ट को चुना।

दिव्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की और एक प्यारा सा कैप्शन भी दिया था। उन्होंने पोस्ट में लिखा, उसने प्यार के लिए पहाड़ तक हिला दिए। सावी को एक साल पूरा हो गया है। मैंने इस फिल्म में सबसे बेहतरीन टीम के साथ काम किया। मुकेश भट्ट सर और अभिनय देव जी का दिल से धन्यवाद। आप सभी का भी बहुत-बहुत शुक्रिया, जिन्होंने सावी को इतना प्यार दिया। अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि सावी के बाद अपनी अगली फिल्म आप सबके साथ शेयर करूं। फिल्म सावी में दिव्या खोसला की दमदार एक्टिंग ने दर्शकों को स्क्रीन से बांधकर रखा। फिल्म में इमोशनल सीन, जबरदस्त डायलॉग और बेहतरीन क्लाइमेक्स ने सबका ध्यान खींचा। सावी अपनी कहानी को लेकर विवादों में भी आई थी। कुछ लोगों का कहना था कि यह फिल्म आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म जिगरा से मिलती-जुलती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या डायरेक्टर प्रेरणा अरोड़ा के साथ अपनी आने वाली फिल्म पर काम कर रही हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है।

उदित नारायण के करियर को लेकर माता-पिता की थी अलग-अलग राय

गायक उदित नारायण ने फिल्म इंडस्ट्री को अनगिनत यादगार गाने दिए हैं। उन्होंने अपने माता-पिता से जुड़े एक किस्से को शेयर किया और बताया कि उनके करियर को लेकर दोनों की इच्छा अलग-अलग थीं। प्रसार भारती ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें गायक अपने बचपन के दिनों से लोकप्रियता और संगीत के प्रति अपने माता-पिता के नजरिए के बारे में बात करते दिखाई दिए। जब उनसे पूछा गया कि उनके पिता ने उन्हें किस क्षेत्र में आगे बढ़ने या करियर बनाने के लिए कहा था, तो गायक ने बताया, झमेरे पिता मुझसे कहते थे कि कुछ बड़ा करो और गर्व महसूस कराओ, लेकिन संगीत में नहीं। वह मुझसे कहते थे कि इंजीनियर बनो, डॉक्टर बनो। लेकिन, मेरी मां मुझसे कहती थीं कि संगीत में कुछ करो। उन्होंने आगे बताया कि यह उनकी कड़ी मेहनत है, जिसकी वजह से उन्हें कई सारे गाने के ऑफर मिल रहे हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया, आज ईश्वर ने मुझे जो कुछ भी दिया है, भगवान सबको वही दे, लेकिन आज मैं जिस मुकाम पर हूं, जिस तरह से आप मुझे देख रहे हैं, इसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है। साल 1988 में आई जूही चावला-आमिर खान स्टारर रोमांटिक फिल्म कयामत से कयामत तक के गाने पापा कहते हैं को उदित नारायण ने आवाज दी थी। इस गाने ने फिल्म की सफलता में न केवल महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि उदित नारायण को म्यूजिक इंडस्ट्री का एक चमकता सितारा बना दिया। उदित नारायण झा छोटी उम्र से ही गाना गाने लगे थे। नेपाली फिल्म से करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में 'उन्नीस-बीस' से डेब्यू किया। हालांकि, उनकी किस्मत आमिर खान की फिल्म से बदली।

उदित ने आमिर खान की फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में 'पापा कहते हैं, बड़ा नाम करेगा' समेत कई गानों को अपनी आवाज दी। पापा कहते हैं गाना सुपरहिट साबित हुआ। इस गाने के बाद उदित नारायण के पास ऑफर्स की लाइन लग गई। इस गाने के लिए उन्हें पहली बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। उन्होंने हिंदी, तेलुगू, कन्नड़, तमिल, बंगाली, सिंधी, उड़िया, भोजपुरी, नेपाली, मलयालम, असमिया, बघेली और मैथिली सहित कई अन्य भाषाओं में गाने गाए हैं। उन्होंने चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते हैं। भारत सरकार ने उन्हें 2009 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया।

Sofia Ansari की शॉवर सेल्फी ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सोफिया अंसारी ने हाल ही में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों को देखकर फैंस की आंखें फटी की फटी रह गई है. सोफिया अंसारी सोशल मीडिया की उन हसीनाओं में से एक हैं जो कि अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं. लोग सोफिया अंसारी की तस्वीरें देखने का बेसब्री से इंतजार करते हैं. फैंस जानते हैं कि अगर सोफिया अंसारी ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर दी तो बवाल मच जाएगा. हाल ही में सोफिया अंसारी ने ये कारनामा कर दिखाया है. अपनी लेटेस्ट पोस्ट में सोफिया अंसारी ने बाथरूम फोटोज शेयर करके हंगामा मचा दिया है. अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको सोफिया अंसारी की ये तस्वीरें दिखाने वाले हैं. सोफिया अंसारी ने टॉपलैस होकर बाथरूम से तस्वीर फैंस के साथ साझा की है. तस्वीर में सोफिया अंसारी की स्माइल देखते ही बन रही है. लोग कह रहे हैं कि सोफिया अंसारी का अंदाज बेहद कमाल है.

टॉपलैस होने के बाद सोफिया अंसारी ने बिकिनी में कहर बरपाया. ब्राउन रेड कलर की बिकिनी पहनकर सोफिया अंसारी ने बवाल मचा दिया है. तस्वीर में सोफिया अंसारी की अदाएं तो देखते ही बन रहा है. बिकिनी के बाद सोफिया अंसारी ने साड़ी पहनकर अपने जबरदस्त कर्व्स दिखाए. कभी तस्वीरों में सोफिया अंसारी अपने बाल ठीक करती दिखीं तो कभी अपना पल्लू गिराती दिखीं. सोफिया अंसारी की अदाओं ने तो फैंस की सांसें ही रोक दी है. लोग कह रहे हैं कि सोफिया अंसारी की हॉटनेस के आगे कोई नहीं टिक सकता. सोफिया अंसारी जब जब बोल्ड अवतार दिखाती हैं तब तब फैंस का दिन बन जाता है.

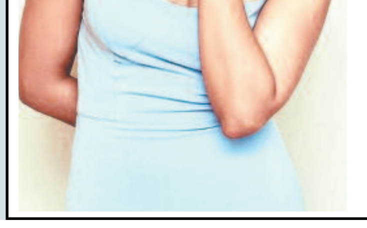

राधिका ने की सिस्टर मिडनाइट की तारीफ

अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही करण कंधारी की फिल्म सिस्टर मिडनाइट में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने अपकमिंग फिल्म की तारीफ करते हुए बताया कि जब उन्होंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उन्हें लगा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें प्रयोग करने का मौका मिलेगा। यह ऐसी फिल्म है जो कुछ नया सिखाती है। उन्होंने कहा, मेरे हाथ में जब कहानी आई तो मुझे यह बहुत रोमांचक लगा। करण ने बिना किसी अन्य चीज के बारे में सोचे, बिल्कुल वही लिखा जो वह बनाना चाहते थे। इसमें बहुत कम संवाद हैं। मुझे लगा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें आपको प्रयोग करने का मौका मिलता है, इसमें कुछ नया करने का मौका मिलेगा, और सीखने का भी मौका मिलेगा। राधिका के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, करण कंधारी ने बताया, यह किसी कलाकार के साथ मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन रिश्ता और सहयोग था। यह सेट पर सबसे अच्छे दोस्त होने जैसा था। उन्होंने कहा, मैं जिस तरह के प्रदर्शन की तलाश में रहता हूं, वह काफी विशिष्ट है। यह सब व्यवहारिक है। राधिका के साथ, मेरा काम लगातार खुद को नए अवसर के साथ तराशने जैसा है। करण कंधारी द्वारा निर्देशित और लिखित सिस्टर मिडनाइट में राधिका के साथ अशोक पाठक, छाया कदम, स्मिता तांबे और नव्या सावंत मुख्य भूमिकाओं में हैं। सिस्टर मिडनाइट को बाफ्टा अवार्ड्स 2025 में आउटस्टैंडिंग ब्रिटिश डेब्यू के लिए नामांकन मिला। इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट को कान्स 2025 के दौरान डायरेक्टर्स फोर्टनाइट में गोल्डन कैमरा अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया। मुंबई के शहरी जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित सिस्टर मिडनाइट 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राधिका आप्टे हिंदी के साथ ही तमिल, मराठी, मलयालम, तेलुगू, बंगाली और अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

-साभार-एजेंसी